INS ACCREDITED
यूंनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-340 | मथुरा, मंगलवार, 3 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

हे... यमराज, अपनी बहन यमुना की लाज रखना

करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी स्थिति जस की तस

मथुरा के जयसिंहपुरा क्षेत्र में यमुना में गिरते नाले की तस्वीर।

वृंदावन में यमुना की ओर आता नाले से गंदा पानी का नजारा।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यमुना की हालत को देखकर हर भक्त व्यथित नजर आ रहा है। ऐसा हो भी क्यों नहीं। हर बार के चुनाव में वोट के सौदागर मथुरा और वृंदावन की जनता को यमुना को स्वच्छ और साफ बनाने का वायदा करते ठग जाते हैं। फिर चुनाव दर चुनाव निकलते जाते हैं, लेकिन जीते हुए प्रतिनिधि एक बार आंख फेर कर यह नहीं देखते कि यमुना का जल आचमन लायक है या नहीं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद मथुरा और वृंदावन में यमुना फिर से प्रदूषित होती दिखाई दे रही है। वजह है कि दोनों स्थानों पर नालों का गंदा पानी यमुना में प्रवाहित हो रहा है। इस स्थिति को देखकर यमुना महारानी की पूजा अर्चना करने के लिए आने वाले भक्त उफ करते दिखाई देते हैं। सोशल मीडिया पर यमुना में गिरते नालों की वीडियो वायरल हो रही है जबकि विधायक और अधिकारी दावा करते हैं कि बड़ी संख्या में नाले टेप कर दिए गए हैं। जयसिंहपुरा क्षेत्र में मसानी नाले का काला गंदा पानी सीधे यमुना में गिरता देखा गया। नाले का दूषित पानी यमुना में मिलते ही नदी का रंग बदल रहा है। हालात साफ बयां कर रहे हैं कि यमुना शुद्धिकरण सिर्फ कागजों में हो रहा है जबकि जमीन पर यमुना दम तोड़ रही है।

वृंदावन में यमुना घाटों से दूर दिखाई देती है। बाढ़ के दौरान यमुना केशीघाट की सीढ़ियों पर चढ़ती हुई काफी ऊपर तक पहुंचती दिखाई देती थी, लेकिन वह अब केशीघाट तक काफी दूर दिखाई देती है। गरीब एकता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक महाजन कहते हैं कि मथुरा– वृंदावन क्षेत्र में यमुना अब नदी नहीं बल्कि बहता नाला बनती जा रही है। अगर समय रहते नालों को रोका नहीं गया तो आने वाले दिनों में यमुना सिर्फ नाम की नदी रह जाएगी। अब सवाल यह है कि क्या यमुना को बचाने के लिए कोई आगे आएगा या फिर जिम्मेदार ऐसे ही चुप बैठे रहेंगे।

वृंदावन स्थित यमुना में प्रदूषित पानी की ओर इशारा करते एक व्यक्ति की अंगुली।

आनंद स्वरूप गंगा बाबा की पहल लाती है रंग

यूनिक समय, वृंदावन। संत आनंद स्वरूप गंगा बाबा पिछले करीब तीस साल से केशी घाट के आरती घाट पर हर दिन बड़ी संख्या में लोगों को यमुना को प्रदूषण मुक्त कराने का संकल्प दिलाते हैं। लोगों के अंदर ऐसी भावना पैदा करते हैं कि वह जब भी वृंदावन आए, तब को यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए कोई न कोई पहल करे। इससे दूर तक बड़ा संदेश जाएगा। भक्त उनकी बात को मानते भी हैं।

मथुरा में नई सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने संभाला कार्यभार

डॉ. पूजा गुप्ता

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वर्ष 2020 बैच की आईएएस अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने मुख्य विकास अधिकारी का पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालते ही उन्होंने अधिकारियों से परिचय किया। जिले के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े सभी कार्य तय समय में पूरे किए जाएं और किसी भी योजना में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। राजीव भवन स्थित सीडीओ कार्यालय में पीडी डीआरडीए एके उपाध्याय ने उन्हें कार्यभार सौंपा। इसके बाद डीपीआरओ धनंजय जायसवाल डीडीओ गरिमा खरे सहित अन्य अधिकारियों से परिचय हुआ। नई सीडीओ ने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी योजना में कोई बाधा आती है तो उसे तत्काल दूर किया जाए और किसी भी समस्या पर सीधे संवाद कर समाधान सुनिश्चित किया जाए। डॉ. गुप्ता ने कहा कि जिले में चल रहे सभी विकास कार्यों और विकास खंडों का शीघ्र निरीक्षण किया जाएगा। उनका लक्ष्य पारदर्शी प्रशासन के माध्यम से मथुरा को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। डॉ. गुप्ता मूल रूप से दिल्ली की निवासी हैं और इससे पहले गाजियाबाद में जॉइंट मजिस्ट्रेट के रूप में कार्य कर चुकी हैं। प्रशासनिक दक्षता और तेज निर्णय क्षमता के लिए उन्हें एक सक्षम अधिकारी माना जाता है। उनके पति आईपीएस ऑफिसर हैं जो नोएडा में तैनात हैं। गौरतलब है कि पूर्व सीडीओ मनीष कुमार मीणा को स्थानांतरण के बाद यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

आश्रम में घुसकर लाठी डंडों से की मारपीट, वीडियो वायरल

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में दबंगों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब वे मंदिरों और आश्रमों को भी निशाना बनाने से नहीं कतरा रहे हैं। कोतवाली क्षेत्र स्थित कृष्ण बलराम महाराज विराजमान मंदिर आश्रम में दबंगों द्वारा जमकर तांडव मचाने का मामला सामने आया है। दबंगों ने लाठी–डंडों से लैस होकर आश्रम में घुसकर मारपीट की और जमकर तोड़फोड़ की। इस दौरान सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए गए और आश्रम परिसर में लगे पेड़ों को भी काट डाला गया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दबंगों की गुंडागर्दी साफ देखी जा सकती है। मंदिर के सचिव आचार्य श्याम द्विवेदी का आरोप है कि स्थानीय पुलिस को लिखित शिकायत देने और डीजीपी तक मामला पहुँचाने के बाद भी स्थानीय पुलिस का रवैया अनुकूल नहीं है। उन्होंने बताया कि दबंगों के नामजद होने के बावजूद अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

कार्यवाही के लिए पीड़ित काट रहा थाने–चौकी के चक्कर

पीड़ित पुजारी का कहना है कि दबंग उनकी संपत्ति हड़पने के उद्देश्य से परिवार को जान–माल की धमकी दे रहे हैं। आज फिर दबंग ट्रैक्टर लेकर आश्रम में घुस आए। फिलहाल पीड़ित न्याय की गुहार लगाते हुए थानों के चक्कर काट रहा है। इस मामले में एसएसपी ने मामले का संज्ञान लेते हुए एसपी सिटी को उचित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

दुस्साहस

होलीगेट क्षेत्र में टप्पेबाजों के हौसले बुलंद

महिला को नशीला रुमाल सुंघाकर सोने के जेवर और नकदी लूट ले गए

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर के होली गेट इलाके में टप्पेबाजों ने एक महिला को नशीला रुमाल सुंघाकर उसके सोने के गहने और नकदी लूट ली। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई है। जानकारी के अनुसार जनरलगंज क्षेत्र निवासी पीड़िता अनीता अग्रवाल किसी काम से आर्य समाज रोड की ओर जा रही थीं। इसी दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों ने उनसे बातचीत शुरू की। आरोपियों के साथ करीब 15 वर्षीय एक बच्चा भी मौजूद था, जिससे महिला को उन पर कोई संदेह नहीं हुआ।

बातचीत के दौरान आरोपियों ने महिला का भरोसा जीता और उन्हें सफेद रुमाल में लिपटा नशीला पदार्थ सुंघा दिया। नशीले प्रभाव से महिला कुछ ही क्षणों में बेसुध हो गईं। इसके बाद टप्पेबाज महिला को रिक्शे में बैठाकर होली गेट से नए बस अड्डे की ओर ले गए। रास्ते में उन्होंने महिला के कानों के सोने के कुंडल, एक सोने की अंगूठी और लगभग दो हजार रुपये नकद निकाल लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

होली गेट क्षेत्र में पीड़िता के साथ अन्य महिलाएं।

दो संदिग्ध व्यक्तियों ने दिया घटना को अंजाम

आरोपियों के साथ करीब 15 वर्षीय एक बच्चा भी मौजूद था

घटना के समय पीड़िता के साथ उनका नाती भी मौजूद था, जो इस पूरी घटना से सदमे में है। होश में आने के बाद पीड़िता ने बंगाली घाट पुलिस चौकी पहुंचकर पुलिस को अपनी आपबीती बताई और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और टप्पेबाज गिरोह की तलाश तेज कर दी गई है।

नई नीति से जमीन की रजिस्ट्रियां हो गईं कम

कातिब, वकील और क्रेता-विक्रेताओं की बढ़ी दिक्कतें

मथुरा स्थित सब रजिस्ट्रार कार्यालय।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार द्वारा एक फरवरी से जमीन की रजिस्ट्रियों को लेकर नियमों में किए गए बदलाव के कारण रजिस्ट्री कराने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वजह है आधार वेरीफिकेशन। इसके चलते मथुरा रजिस्ट्रार कार्यालय में होने वाली जमीनों की रजिस्ट्रियों में काफी कमी होने का अनुमान बताया जा रहा है।

प्रदेश सरकार ने एक फरवरी से रजिस्ट्रियों के नियमों में जिस तरह का बदलाव किया है उसके कारण जमीनों की रजिस्ट्रियां करने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते सब रजिस्ट्रार कार्यालय के प्रथम और द्वितीय कार्यालय में प्रतिदिन करीब 300 रजिस्ट्रियां होती थी। अब नए नियमों के कारण 75 रजिस्ट्री हुई हैं। जमीनों की रजिस्ट्री न होने के कराण जहां जमीन की खरीद फरोख्त करने वाले लोग परेशान हैं। वहीं रजिस्ट्री के दस्तावेजों को रजिस्ट्रर्ड कराने वाले दस्तावेज लेखक और अधिवक्ता भी काफी दिक्कत में हैं। इस मामले में जब अधिवक्ताओं और दस्तावेज लेखकों से बातचीत की गई तो उनका कुछ इस तरह कहना था।

रजिस्ट्री में होने वाली दिक्कतें शीघ्र ही दूर होंगी

यूनिक समय, मथुरा। सब रजिस्ट्रार का कहना है कि आधार वेरीफिकेशन में दिक्कतें आ रही हैं, इसके चलते आम दिनों की तुलना में होने वाली रजिस्ट्रियों में दिक्कत आ रही है। धीरे धीरे सब ठीक हो जाएगा। सब रजिस्ट्रार प्रथम एके त्रिपाठी ने बताया कि रजिस्ट्री कराने में आधार वेरीफिकेशन में इस तरह की दिक्कत आ रही है कि अधिकतर लोगों के जिस मोबाइल नंबर से आधार बनाया गया था वो या तो बंद हैं अथवा किसी दूसरे के पास होते हैं। इसके चलते जब ओटीपी भेजी जाती है तो ओटीपी उस नंबर जाती है जिसके कारण आधार का वेरीफिकेशन नहीं हो पाता है।

अधिवक्ता रविंद्र तिवारी ने बताया कि आधार वेरीफिकेशन में आने वाली ओटीपी का समय पांच सैकंड काफी कम है जो मोबाइल को निकालते निकालते समाप्त हो जाता है। जिससे रजिस्ट्री होने में भारी दिक्कत हो रही है। गवाहों के आधार वेरीफिकेशन में दिक्कत होती है अधिकांश लोगों के आधार से मोबाइल लिंक नहीं है। जिस नंबर से आधार बना होता है या तो वह बंद होता अथवा किसी दूसरे के पास होता है। इसके चलते आधार की ओटीपी नहीं मिल पाती है।

दस्तावेज लेखक सोहन लाल शर्मा का कहना है कि रजिस्ट्री में चार लोग मुख्य होते हैं विक्रेता, क्रेता और दो गवाह। सरकार द्वारा इनके आधार वेरिफिकेशन कराने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था बायोमैट्रिक की गई है। इनके ऑनलाइन वेरीफिकेशन में बाहर तो वैरिफिकेशन हो जाता है लेकिन ऑफिस की साइट पर नजर नहीं आता है। इसके कारण रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है। दूसरे आधार की ओटोपी के लिए भी मात्र पांच सैकंड का सामय है जो जल्दी समाप्त हो जाता।

सुभाष चतुर्वेदी एडवोकेट का कहना है कि सरकार ने धोखाधड़ी रोकने के लिए अच्छा कदम उठाया है, लेकिन सरकार को इस में आने वाली समस्याओं को समाधान निकालना चाहिए। उनका कहना है कि नई व्यवस्था के चलते बिल्डरों, पावर ऑटरनी, और संसस्थाओं द्वारा की जाने वाली रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है। इसके साथ ही व्यक्तिगत होने वाली रजिस्ट्रियों में भी गवाहों के आधार वेरीफिकेशन में भारी दिक्कत हो रही है। इसके साथ ही रजिस्ट्री की साइट भी कम काम कर रही है।

एडवोकेट केके चौधरी का कहना है कि नये नियमों से लोग काफी परेशान हैं। आधार वेरीफिकेशन में जिन लोगों ने अपने पुराने मोबाइल नंबर लगा रखे हैं और वो मोबाइल बंद कर दिए हैं अथवा उन नंबरों को किसी दूसरे को दे रखा है तो आधार की ओटीपी उनके नंबरों पर जाती है बिना ओटीपी के उनका सत्यापन नहीं हो पाता है। इसके साथ ही बाहर ऑनलाइन होने के बाद कार्यालय की साइट पर ऑन लाइन नहीं हो पाना भी परेशानी का सबब बन रहा है।

मुकेश शर्मा एडवोकेट का भी यही कहना है कि नए नियमों के चलते लोगों को रजिस्ट्रियां कराने में भारी दिक्कत तो उसके मोबाइल पर आने वाली ओटीपी है। ओटीपी का पांच सैकंड का समय काफी कम है। एक बार ओटीपी आने के बाद दोबारा ओटीपी आने में काफी समय लग रहा है। इसके साथ ही पावर ऑटर्नी, फर्म के प्रतिनिधियों द्वारा जमीन की खरीद और फरोख्त के लिए होने वाली रजिस्ट्री भी नहीं हो पा रही हैं क्योंकि उनके पास वेरीफिकेशन के लिए आधार नहीं होता है।

पार्षद और कातिब निरंजन सिंह का कहना है कि आधार वेरीफिकेशन के चलते लोगों को अपनी जमीन की बिक्री और खरीद के लिए रजिस्ट्री न होने के कारण परेशान होना पड़ रहा है। कभी गवाह का आधार वेरीफाई नही हो रहा है तो कभी क्रेता अथवा विक्रेता का। इसके कारण रजिस्ट्रार कार्यालय में रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है।

नगर निगम के तीन जोनों में जन सुनवाई

जनसुनवाई में लोगों की शिकायत सुनते नगर निगम के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को संभव, संतुष्टि एवं समृद्धि अंतर्गत भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में सहायक नगर आयुक्त श्रीमती कल्पना सिंह चौहान, वृंदावन जोनल कार्यालय में अपर नगर आयुक्त चंद्र प्रकाश पाठक, तथा जनरल गंज स्थित नगर निगम मथुरा-वृंदावन कार्यालय में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने जनसुनवाई की। अपर नगर आयुक्त ने सभी शिकायत कर्ताओं की शिकायत का संज्ञान लेकर सम्बन्धित अधिकारी को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान भूतेश्वर जोन में 06, वृंदावन जोन में 09 एवं सिटी जोन में 02 सीवर से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई। इस मौके पर सहायक नगर अनुज कौशिक, महाप्रबंधक जल मोहम्मद अनवर ख्वाजा, मुख्य कारण निर्धारण अधिकारी नरेंद्र कुमार यादव, अधिशासी अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम तथा मुख्य सफाई निरीक्षक सुरेश आदि उपस्थित थे।

अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

आरोपी से 20 पाउच देशी शराब नगीना मार्का बरामद

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने मथुरा रोड पर पंचवटी कॉलोनी के समीप से चरन सिंह निवासी नया नगला कस्बा राया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 20 पाउच देशी शराब नगीना मार्का बरामद किए हैं।

ब्लॉक सैनिक बंधु अपने फोन नंबर कार्यालय को नोट कराएं

जिला भूतपूर्व सैनिक संघ की बैठक में पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला भूतपूर्व सैनिक संघ की बैठक कैप्टन जवाहरलाल की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर में हुई। संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश इंडियन एक्स सर्विसेज लीग के कोर्डिनेटर खेमचंद शर्मा नगेश ने कहा कि ब्लॉक सैनिक बंधु अपने-अपने ब्लॉकों में पूर्व सैनिक/ वीर नारियों एवं उनके आश्रितों से संपर्क कर उनके नाम एवं मोबाइल नंबर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में शीघ्र जमा कर दे ताकि समय पर उनसे संपर्क भी किया जा सके। हाल ही में रक्षा सेवानिवृत्त सैनिकों से संगठन की सदस्यता ग्रहण करने की अपील भी की। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल एके सिंह ने पूर्व सैनिकों को बताया कि नॉन पेंशनर पूर्व सैनिक जो पेनुर अनुदान प्राप्त कर रहे हैं। वह अपने आवेदन पत्र को ऑनलाइन कराकर एक प्रति कार्यालय में जमा कर दें। बैठक में सूबेदार राम बहादुर सिंह यादव, सूबेदार मुरलीधर चतुर्वेदी, सुनील कुमार, मनोज कुलश्रेष्ठ वरिष्ठ लिपिक, प्रेम सिंह, हरिओम तिवारी, बृजेश सिंह पांडव, सार्जेंट प्रवीण कुमार, वीर नारी श्रीमती रचना, श्रीमती सुधा, श्रीमती सीमा, श्रीमती त्रिवेणी तथा शशि ने अपने विचार व्यक्त किए।

सुबह कोहरा, दोपहर में खिली धूप

मौसम साफ होते ही बाजार में उमड़ी ग्राहकों की भीड़

राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिछी सफेद पट्टी, जो कोहरे के दौरान वाहन चालकों को राहत देती नजर आई।

यूनिक समय, मथुरा/फरह (मथुरा)। मंगलवार को मौसम कुछ सुधरा तो दोपहर में धूप निकल आई। मौसम साफ होने के बाद बाजार में ग्राहक भी जमकर उमड़े, जिससे दुकानदारों के चेहरे खिले नजर आए। वैसे तो कोहरा सोमवार रात करीब आठ बजे बाद छाने लगा था। रात बढ़ते ही कोहरा और बढ़ता चला गया। कोहरा बढ़ने से रात में वाहन चालकों को परेशानी हुई। सुबह कोहरा कम होने से दृश्यता सही थी, जिससे वाहन चालकों को काफी राहत मिली। वहीं, दोपहर से पहले बयार चलने से कोहरा धीरे-धीरे साफ हो गया तो मौसम खुल गया।

दोपहर में धूप खिलने के बाद बाजार में ग्राहक भी उमड़ पड़े, जिससे दुकानदार खुश नजर आए। वाहन चालकों के लिए सफेद पट्टी जीवन रेखा बनी हुई है। इसी रेखा पर लाइट लगाकर चालक आगे बढ़ते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफेद पट्टी कोहरा के दौरान चालकों को काफी राहत दे रही है।

तापमान / मौसम

23 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

11 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,62,000

22 कैरेट 1,49,040

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,90,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐप: 8010957826

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 — सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल-फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

जल निगम, मथुरा

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए यूनिक समय
www.uniquesamay.com

एसबीआई के पीओ रजत शर्मा का सम्मान

एसबीआई के पीओ रजत शर्मा का सम्मान करते श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में प्रोबेशनरी ऑफिसर के पद पर चयनित होने पर रजत शर्मा का स्वागत किया गया। श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एसबीआई की मुख्य शाखा पर पहुँचकर दुपट्टा उड़ाकर उनका अभिनंदन किया। समिति के संस्थापक श्याम शर्मा, महामंत्री अर्जुन पंडित, कोषाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, हरि शंकर, आशीष शर्मा, विजय शर्मा एवं डोमेश शर्मा आदि सदस्यों ने रजत शर्मा की इस उपलब्धि को उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम बताया। कहा कि युवाओं की ऐसी सफलताएँ समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत होती हैं।

महिला आयोग की अध्यक्ष मथुरा आईं

पीड़ित महिलाओं का दर्द सुना

पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में एक महिला का दर्द सुनती यूपी महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान।

जिला कारागार में निरीक्षण करती महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान। साथ में जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग आदि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान आज यहां आईं। उन्होंने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में महिलाओं को दर्द सुना तो जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर वार्ड और रसोई की व्यवस्था देखी। पत्रकारों से बातचीत में आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान ने घरेलू हिंसा के मामलों में लगातार वृद्धि पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि कई मामलों में 20 से 25 वर्ष तक वैवाहिक जीवन बिताने के बाद भी पति–पत्नी के बीच गंभीर विवाद सामने आ रहे हैं। डॉ. चौहान ने कहा कि महिला आयोग ऐसे मामलों को गंभीरता से ले रहा है और पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त घरेलू हिंसा के मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए। डॉ. चौहान ने विभागीय अधिकारियों के साथ एक बैठक भी की। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिला सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता है। आयोग महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्यरत है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि किसी भी समस्या की स्थिति में वे बेझिझक शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय पर समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उधर महिला आयोग की अध्यक्ष ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कारागार की साफ सफाई और व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। महिला वार्ड का निरीक्षण कर वहां निरुद्ध महिलाओं से बातचीत की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। महिला वार्ड में अपनी माताओं के साथ रह रहे बच्चों की शिक्षा और सुविधाओं को लेकर भी अधिकारियों से सवाल किए गए। कारागार की पाकशाला में साइकिल के माध्यम से भोजन तैयार किया जा रहा था। आयोग अध्यक्ष ने रसोई का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता की जांच की। पाकशाला में साफ सफाई बेहतर पाई गई और तैयार हो रहे भोजन को गुणवत्ता की दृष्टि से संतोषजनक बताया गया। उन्होंने कारागार में बंदियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी सराहना की। विशेष रूप से बंदियों द्वारा तैयार की जा रही पोशाक को देखकर आयोग अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह के प्रयास बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। इस मौके पर जेल अधीक्षक अंशुमन गर्ग, डॉ. उपेन्द्र पाल सिंह सोलंकी, जेलर सुरेंद्र मोहन सिंह, डिप्टी जेलर दुर्गेश प्रताप सिंह, रविन्द्र कुमार तथा हेमराज सहित आदि मौजूद थे।

जिला कारागार का निरीक्षण कर महिला बंदियों से बातचीत की

पिकअप में क्रूरतापूर्वक भरे 26 भैंस के पड्डे बरामद

तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। कोतवाली छाता थाना क्षेत्र में पशु तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक पिकअप गाड़ी को शेरगढ़ रोड छाता से पकड़कर पशु मुक्त कराए हैं। इस मामले में पुलिस ने तीन अभियुक्तों को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गौरक्षक दल के कार्यकर्ताओं को सूचना मिली थी कि एक पिकअप गाड़ी में पशुओं को बेहद क्रूरतापूर्ण तरीके से भरकर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर जब गाड़ी को रोककर चेक किया गया, तो उसमें से 26 पड़िया और पड्डा बरामद हुए। गाड़ी चालक वी साठी अलीगढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान मुस्तकीम पुत्र मुनीष, इकराम पुत्र नवाखां (निवासी हसनगढ़, अलीगढ़) और जान मोहम्मद पुत्र हबीब खां (निवासी चण्डोस, अलीगढ़) के रूप में हुई है। इस मामले की लिखित तहरीर गौरक्षक दल के सदस्य केवल कृष्ण, नितिन और संदीप कुमार द्वारा दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना छाता पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। उप–निरीक्षक पुनीत सिरोही को इस प्रकरण की जांच सौंपी है।

चाकुओं से गोदकर युवती की हत्या में अभियुक्त को उम्रकैद

अदालत ने 31 हजार रुपये का अर्थदण्ड भी लगाया

फेसबुक पर युवती की युवक से हुई थी दोस्ती

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे चतुर्थ अरविन्द कुमार यादव द्वितीय की अदालत ने फेसबुक पर युवती से हुई दोस्ती कर दिल्ली से बुला कर चाकू से गोदकर हत्या करने वाले अभियुक्त को आजीवन कारावास और 31 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी करने वाले सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता के के पाठक ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के कैंट काली मंदिर के निकट सैयद के पास 26 जुलाई 2023 को सरायकाले खां निजामुद्दीन दिल्ली निवासी जौरा खातून (24) को बुलाकर युवक ने चाकुओं से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घटना से वहां से गुजरते लोगों में दहशत फैल गई थी। मौके पर पहुंची थाना सदर बाजार पुलिस ने घायल जौरा खातून को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। जिला अस्पताल से उसे आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया था। जौरा खातून ने सदर थाने में अपने ऊपर हुए जानलेवा हमले की रिपोर्ट सद्दाम हुसैन उर्फ सद्दाम अली पुत्र रियाज अली निवासी बड़ा कसाई पाड़ा थाना सदर बाजार के खिलाफ दर्ज कराई थी। सद्दाम ने उसे मिलने के लिए मथुरा बुलाया था। मुलाकात के दौरान उसने उस पर चाकुओं से वार कर घायल किया था। आगरा में इलाज के दौरान 30 जुलाई 2023 को जैरा खातून की मौत हो गई। पुलिस ने मामले को हत्या में तरमीम कर सद्दाम को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा था। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे चतुर्थ अरविन्द कुमार यादव द्वितीय की अदालत में हुई। अदालत ने इस मामले में अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

युवक को गोली मार किया घायल

आपसी पुरानी रंजिश में हमले का लगाया आरोप

यूनिक समय ,मथुरा। थाना रिफाइनरी क्षेत्र के जयपुर बरेली हाईवे पर टहल कर आते एक युवक को बाइक सवार युवकों ने गोली मारकर घायल कर दिया। बताया गया गोली मारने वालों से पहले से पुरानी रंजिश चल रही है। पुलिस ने घायल को अस्पातल में भर्ती करा दिया। पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही है। बाद निवासी युवक मनोज पुत्र शिशुपाल मंगलवार की प्रातः जयपुर बरेली हाईवे पर टहलने के लिए गया था। टहल कर वह घर लौट रहा था। इसी बीच बाइक पर आते युवकों ने उस पर तमंचे से सीधी गोली चला दी। गोली उसके हाथ में लगी। गोली चलाने के बाद युवक मौके से भाग निकले। युवक को गोली लगने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती करा दिया। घायल का कहना है कि गांव के रामू आदि से पुरानी रंजिश चल रही है। रामू ने अपने साथियों के साथ आकर उस पर जानलेवा हमला किया। इस मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल का कहना है कि मामला संदिग्ध लग रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उस पर कार्रवाई की जाएगी।

वृंदावन में युवक ने लगाई फांसी

यूनिक समय, मथुरा। श्याम कुटीर सियाराम आश्रम वृंदावन में भागवत का अध्ययन करने वाले एक युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। युवक माता–पिता का इकलौता पुत्र था। दुर्गागंज भदोई के रहने वाले राजेंद्र पांडेय का पुत्र सागर पांडेय (24) वर्ष जुलाई में वृंदावन के श्याम कुटीर सिया राम आश्रम में भागवत के अध्ययन के लिए आया था। बताया गया कि उसने आश्रम के कमरे में फांसी का फंदा लगा कर आत्म हत्या कर ली। सागर पांडेय द्वारा आत्महत्या किए जाने का पता लगने पर पुलिस को भी बुलाया गया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना पर मोरचरी पर आए परिवार के लोगों का बुरा हाल था। बताया गया कि सागर पांडेय अपने मां–बाप का अकेला पुत्र था।

मारपीट करने वालों को अदालत उठने तक की सजा

यूनिक समय, मथुरा। एसीजेएम प्रथम ने मारपीट करने वाले तीन अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए अदालत उठने तक की सजा और दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। कोतवाली के धौलीप्याऊ इलाके में रहने वाले राम सिंह और उसकी बहन व पत्नी द्वारा की गई मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

पुलिस ने इनके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित कर दिया। एससीजेएम प्रथम ने इस मामले में तीनों को उक्त सजा से दंडित किया है।

CIMS

सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

(Multi Super Speciality Hospital With 200+ Beds Facility)

कैथलैब, सीटी स्कैन, एक्स–रे, अल्ट्रासाउण्ड, ई.को., टी.एम.टी., ई.ई.जी., एन.सी.वी एडवांस्ड सर्जीकल माइक्रोस्कोप, पैथ–लैबोरेट्री तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध।

देश के जाने–माने अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ विश्वस्तरीय इलाज अब एक ही छत के नीचे सिम्स मथुरा में 24 घण्टे उपलब्ध है।

टीपीए एवं बीमा कम्पनियों द्वारा कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है।

अपॉइंटमेंट बुक करें : 9258113570, 9258113571

सिम्स हॉस्पिटल, निकट श्रीराधा वैली, एन.एच.19, मथुरा

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर, मथुरा

अकबरपुर छाता, मथुरा, मो. 7055400400, 7088105741

दिमाग से सम्बन्धित बीमारियाँ

- ब्रेन ट्यूमर–सभी प्रकार के दिमागी ट्यूमर (रसौली) का दूरबीन एवं माईक्रोस्कोप द्वारा ऑपरेशन
- लकवा/फालिस (Stroke)
- सिर दर्द (Migrain) चक्कर आना (Vertigo)
- मिर्गी के दौरे (Epilepsy)
- दिमागी बुखार (Meningitis)
- दिमाग में नसों का ऑपरेशन (Aneurysm/ AVM Surgery)
- बच्चों में सिर बड़ा होना (Hydrocephalus)
- याददाश्त में कमी (Dementia)
- चेहरे का टेढ़ापन (Bell's Palsy)
- पारकिन्सन डिसीज (Parkinson's Disease)
- हाथ में कम्पन्न (Tremors)

Dr. Anurag Yadav
MBBS, MS, Mch, neurosurgery (PGI Saifai)
Ex Assistant professor (PGI Saifai)
Ex Assistant professor
GSVM medical college kanpur

Dr. Rahul Dhole
MBBS, MS (General Surgery)
MCh (Neurosurgery)
Bombay Hospital, Mumbai
Consultant Neurosurgeon

एडवांस्ड न्यूरो साइसेंज विभाग

रीढ़ की हड्डी एवं नसों से सम्बन्धित बीमारियाँ

- जटिल में जटिल गर्दन एवं कमर दर्द
- सर्वाइकल स्पोन्डोलाइसिस, रीढ़ की हड्डी का टी.बी.
- रीढ़ की हड्डी का ट्यूमर (स्वाइनल ट्यूमर)
- डिस्क प्रोलेस (गुटका सरक जाना)
- हाथों–पैरों में कमजोरी व कंपन, झनझनाहट
- बच्चों में कमर का फोड़ा (Meningomyelococle)
- सर एवं रीड़ की हड्डी की चोट

न्यूरो सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधाएँ
ओपीडी प्रातः 09:00 से 04:00 बजे तक

दूरबीन, माईक्रोस्कोप एवं नवीनतम उपकरणों द्वारा दिमाग एवं स्पाइन की सभी प्रकार की सर्जरी की सुविधा

सालों से नहीं चला अतिक्रमण पर चाबुक

फरह कस्बा के बाजार में फुटपाथ होने लगा गायब, सड़क पर हुआ कब्जा

फरह के बाजार में फुटपाथ पर सजा व्यापारियों का सामान।

कस्बा के मुख्य बाजार में लगे जाम में फंसे वाहन।

संवाददाता

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। करीब 27 साल से फरह कस्बा के मुख्य बाजार में अतिक्रमण विरोधी अभियान नहीं चला है। नगर पंचायत और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी से मुख्य बाजार में फुटपाथ गायब हो चुका है, जबकि सड़क पर भी अब कब्जा होने लगा है। इस समस्या से राहगीर सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। यह समाचार कुछ अटपटा लगेगा, लेकिन वास्तविकता यही है कि कस्बा के मुख्य बाजार में 27 साल के दौरान एक बार भी अतिक्रमण हटाओ अभियान नहीं चल सका। जिम्मेदारों की अनदेखी और लापरवाही से अब बाजार पूरी तरह से अतिक्रमण की चपेट में है। नगर पंचायत के जिम्मेदारों के आंख बंद कर लेने से अधिकांश बाजार में फुटपाथ गायब हो चुका है। दुकानदारों ने इसे अपनी दुकानों में मिला लिया है, जहां फुटपाथ बकाया था, वहां टीन शेड डाल दिए गए हैं या पक्का अतिक्रमण कर लिया गया है। कुल मिलाकर अधिकांश फुटपाथ पर कब्जा कर लिया गया है। इतना होने के बाद भी जिम्मेदार नहीं जागे तो दुकानदारों ने अब सड़क को ही कब्जाना शुरू कर दिया है। सड़क के किनारे तक अतिक्रमण करके राहगीरों को परेशान किया जा रहा है। कस्बा के मुख्य बाजार में अतिक्रमण की वजह से दोपहर से शाम तक कई बार जाम भी लगता है। चार पहिया वाहन निकलने के दौरान तो बाजार ठप हो जाता है, इससे दुकानदारों को कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन पैदल चलने वाले जरूर परेशान होते हैं।

नगर पंचायत की अनदेखी से अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद, अवैध कब्जे बढ़े

27 साल पहले हटाया था अतिक्रमण

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। कस्बा के मुख्य बाजार में करीब 27 साल पहले अतिक्रमण हटाओ अभियान चला था। नगर पंचायत के प्रशासक नियुक्त हुए तत्कालीन एसडीएम अमृत अभिजात ने अतिक्रमण हटाने का साहस दिखाया था। उस समय अतिक्रमण हटाया गया तो बाजार खुला सा नजर आने लगा, लेकिन अब ज्यादा हाल खराब हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत गठन के बाद कस्बे में अतिक्रमण की होड़ चलने लगी है। वोट की लालसा में नगर पंचायत अध्यक्ष अतिक्रमण को बढ़ावा देने अपरोक्ष रूप से शामिल रहते हैं।

जिम्मेदार की बात

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी शिवकुमार का कहना है कि उन्होंने कई बार पुलिस को अतिक्रमण हटवाने में सहयोग करने के लिए पत्र लिखे हैं, लेकिन पुलिस सहयोग नहीं करती है। पुलिस सहयोग करेगी तो अतिक्रमण हटाए जाएंगे।

उपभोक्ता दिवस से पहले ग्राहकों को जागरूक करने का आह्वान

यूनिक समय, सादाबाद। ग्राहक पंचायत की बैठक एडवोकेट राजेंद्र अग्रवाल के कार्यालय पर हुई। अध्यक्षता दिनेश चंद धनगर ने की। बैठक में 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता दिवस, राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने एवं सादाबाद में हो रही मिलावट खोरी के बारे मे विचार विमर्श किया गया। नगर अध्यक्ष राजेंद्र सिंह चौधरी ने नगर के उपभोक्ताओं को जागरूक करने का आह्वान किया। कहा कि बिना ग्राहकों को जागरूक किये बिना ये संभव नहीं है। बैठक मे राजेन्द्र कुमार अग्रवाल एडवोकेट, राजेंद्र चौधरी, राजू पाराशर, दिनेश चंद धनगर, एडवोकेट राकेश कुलश्रेष्ठ, राजू सिंह एडवोकेट, देव कुमार, तपन जौहर, सुरेश चंद वार्ष्णेय एवं रजत अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

ग्राहक पंचायत की बैठक में पदाधिकारी।

मोबाइल चोरी में दस माह की कैद

यूनिक समय, मथुरा। सीजेएम मथुरा ने एक अभियुक्त को चोरी का मोबाइल रखने का दोषी करार देते हुए दस माह की सजा और दो हजार रुपये के अर्थ दंड से दंडित किया है। वृंदावन पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले में अभियुक्त ओमप्रकाश उर्फ बौना निवासी गांव सकराया थाना जैंत को चोरी के मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। सीजेएम ने अभियुक्त को दोषी करार देते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

मथुरा में फॉर्म-7 के नाम पर फर्जीवाड़े का आरोप

अल्पसंख्यक मतदाताओं के वोट कटवाने की साजिश उजागर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने के बाद फॉर्म-7 को लेकर बड़े फर्जीवाड़े के आरोप सामने आए हैं। समाजवादी पार्टी का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कुछ पदाधिकारी एक विशेष समुदाय के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटवाने के उद्देश्य से फर्जी तरीके से फॉर्म-7 भरवा रहे हैं। पिछले दो दिनों में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के कई बूथों पर सैकड़ों की संख्या में फॉर्म-7 जमा कराए गए। आरोप है कि इन आवेदनों को केवल दो-तीन व्यक्तियों द्वारा भ्रामक जानकारी के साथ भरवाया गया। बलदेव विधानसभा के बूथ संख्या 178, 180, 181, 400, 401 और 402 तथा मांट विधानसभा के बूथ संख्या 93, 110, 111 और 112 पर 400 से अधिक फॉर्म-7 जमा किए जाने की बात सामने आई है। समाजवादी पार्टी के अनुसार, जब संबंधित बीएलओ ने गलत तरीके से नाम काटने से इंकार किया तो उन पर दबाव बनाने का प्रयास भी किया गया। पार्टी के बीएलए और पीडीए प्रहरियों ने समय रहते मामले को पकड़कर वरिष्ठ नेताओं को अवगत कराया। इसके बाद जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव और वरिष्ठ नेता प्रदीप चौधरी ने जिलाधिकारी से भेंट कर शिकायत दर्ज कराई। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि किसी भी समुदाय के मतदाताओं के नाम फर्जी तरीके से नहीं काटे जाएंगे। समाजवादी पार्टी ने प्रकरण की रिपोर्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल को भी सौंप दी है।

डीएम को शिकायती पत्र सौंपते सपा के पदाधिकारी।

समाजवादी पार्टी के पीडीए प्रहरियों ने पकड़ी जालसाजी, डीएम से की शिकायत

तीसवीं पुण्यतिथि

स्व. श्री कुंजबिहारीलालजी अग्रवाल
संस्थापक
(स्वर्गारोहण तिथि 04.02.1996)

आपका सपना हमारा उद्देश्य,
आपकी सीख हमारा मार्गदर्शन
आपकी यादें सदा हमारे हृदय में जीवित रहेंगी

परमसेवा, धर्मनिष्ठता, समाज सेवा की साकार प्रतिमूर्ति श्रद्धेय पुण्य आत्मा की पुण्यतिथि पर हम अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ऐसी दिव्य विभूति जिनका सम्पूर्ण जीवन समाज सेवा में व्यतीत हुआ, उनकी तीसवीं पुण्यतिथि पर हम सभी का शत् शत् नमन।

श्रद्धावनत समस्त आत्मीय जन परिवार जन एवं विद्यालय परिवार

रतनलाल फूल कटोरी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल गोवर्धन रोड,
मथुरा, दूरभाष 9319059177

श्री बृज कामद सुरभि वन एवं शोध संस्थान, जड़खोर, (राज0)
श्री कृष्ण गौशाला, बवाना, दिल्ली, रतनलाल उद्धव दास पब्लिक स्कूल
पीपल वाली हवेली, गऊ घाट, मथुरा, दूरभाष- 8534073966

एन. एम. अग्रवाल एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
मालीवाडा, चांदनी चौक, दिल्ली
रतनलाल एंड संस सूरत, द फैब फैक्ट्री सूरत

उठावनी

स्व. श्रीमती कुसुमलता गर्ग

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी पूज्यनीय माताजी श्रीमती कुसुमलता पत्नी श्री महेश चन्द गर्ग का गोलोकवास दिनांक 02.02.2026 को हो गया है। उठावनी आज दिनांक 04.02.2026 दिन बुधवार को महिलाओं और पुरुषों की समय 3 से 4 बजे तक स्थान: खण्डेलवाल सेवा सदन, गोवर्धन रोड़, मथुरा पर होगी।

शोकाकुल:- मुकेश गर्ग (कोसी वाले)- रेखा गर्ग (पुत्र-पुत्रवधू) रुचि गर्ग (पुत्रवधू) सर्वेश गर्ग (देवर) वन्दना-अरूण जी, अर्चना-संजय जी (पुत्री-दामाद) हर्षित, अमन राघव (पौत्र) राकेश, अजय, अभय, अनिल, संजय (भतीजेगण)

निवास - मकान नंबर 1/28, श्री राधापुरम स्टेट, मथुरा मो. 7906136311

ग्राम दौताना में मौलाना हासिम साहिब का 61 वां उर्स मनाया

ग्राम दौताना में आयोजित कव्वाली कार्यक्रम में दो पार्टियों के गायक कलाकार।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। छाता के निकटवर्ती ग्राम दौताना में दो दिवसीय मौलाना हाशिम साहब का 61 वां उर्स मनाया गया। अकीदतमंदों ने दरगाह पर चादर भी चढ़ाकर दुआ की। जवाबी कव्वालियों का भी आयोजन किया। इसमें अलीगढ़ व आगरा के कव्वाली गायक पहुंचे। देर रात्रि में कव्वाली के दौरान भारत माता की जय के साथ तिरंगा झंडा भी लोगों ने फहराया। इस मौके पर एडवोकेट अनस, काशिफ मुखिया, चतुर लाल जैन, खेमचंद शर्मा, छोटा प्रधान, उमेश, मोहम्मद साजिद परवेज, मोहम्मद शाहिद इंजीनियर तथा जावेद आदि मौजूद थे।

देश की तरक्की व अमन चैन की मांगी दुआ

कोषागार के सहायक लेखाकार की जांच नहीं हुई पूरी

आगरा मंडल के एडी पेंशन को आज आना था जांच को

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कोषागार में सहायक लेखाकार द्वारा मृतक पेंशनधारकों के खातो से किए गए करोड़ों के घोटाले की जांच रिपोर्ट आज दिए जाने के बाद ही इस बात का पता लगेगा कि कोषागार में कितनी धनराशि का गबन हुआ है। सहायक लेखागार कोषागार से इतनी बड़ी धनराशि का गबन करने के बाद जिस तरह से गायब हो गया। उसे लेकर अधिकारी और स्टाफ अब उसके काउंटर से होने वाली कार्रवाई के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। इसके साथ ही जांच कमेटी भी इस पूरे मामले में दस्तावेजों को खंगाल रही है। हालांकि प्राथमिक तौर पर एक करोड़ से अधिक का गबन सामने आ चुका है। आज एडी पेंशन आगरा मंडल आगरा को इस मामले की जांच रिपोर्ट अपने उच्चाधिकारियों को सौंपनी थी। जांच टीम को इस मामले में आज आना था, लेकिन समचार लिखे जाने तक टीम मथुरा नहीं आई थी।

दस कर्मचारी चला रहे हैं जनपद कोषागार को

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कोषागार में हुए इतने बड़े घोटाले के पीछे का शायद यह कारण हो सकता है कि कार्यालय में स्टाफ की कमी के कारण एक कर्मचारी को कई काउंटर पर काम करना रहा होगा। कोषागार में जहां कभी 35 से अधिक कर्मचारियों का स्टाफ होता था। वहां उनके रिटायर्ड होने के बाद कोषागार में कर्मचारियों की कमी लगातार होती रही। इसके बाद भी कोषागार जैसे महत्वपूर्ण कार्यालय में कर्मचारियों की कमी पर ध्यान नहीं दिया गया। वर्तमान में भागे सहायक लेखाकार सहित संभवतः दस कर्मचारी कोषागार के सभी पटलों का काम देख रहे हैं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वहां कर्मचारियों द्वारा किए गए काम की जांच कौन करता। इसका ही भरपूर फायदा घोटाले बाज सहायक लेखागार ने उठाया। उसने चतुराई के साथ कोषागार से पेंशन लेने वाले मृत कर्मचारियों के खातों को अपने तरीके से फर्जी कागजात के आधार पर अपडेट कर उनकी पेंशन अपने खाते में ट्रांसफर करता रहा। इस बात का पता पूर्व में रहे दोनों कोषाधिकारियों को सहायक लेखा कार के इस कारनामे की भनक तक नहीं लग सकी और जब मामला खुलने का पता सहायक लेखाकार को लगा तो वह वहां से गायब हो गया।

35 से अधिक के स्टाफ के सापेक्ष हैं मात्र दस कर्मचारी

एक कर्मचारी देखता है कई विभागीय पटल

पुलिस नहीं कर सकती इस मामले में कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। हालांकि सहायक लेखाकार उस समय तक कहां होगा। पुलिस सहायक लेखा कार के खिलाफ उस समय ही कार्रवाई कर सकती है जब उनके पास इस मामले में कोई रिपोर्ट होगी। इस दौरान सहायक लेखाकार धोखाधड़ी से गबन किए गए करोड़ों रुपयों को इधर–उधर कर सकता है। इस बात की लोगों में चर्चा है।

पूर्व मंत्री श्रीकांत शर्मा पहुंचे बूथ नवमतदाताओं के बढ़वाए वोट

नवमतदाताओं को फॉर्म देते पूर्व मंत्री श्रीकांत शर्मा।

पार्षद राकेश भाटिया ने किया स्वागत, भाजपाई जुटे विशेष अभियान में

यूनिक समय, मथुरा। विशेष मतदाता जोड़ो अभियान के अंतर्गत श्रीचंद विद्या आश्रम स्थित बूथ पर प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं विधायक श्रीकांत शर्मा ने पहुंचकर नवमतदाताओं के वोट बनवाए और लोगों को मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक किया। बूथ पर पहुंचने पर पार्षद एवं कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया ने दुपट्टा ओढ़ाकर विधायक का स्वागत किया। करीब आधे घंटे तक बूथ पर मौजूद रहे विधायक श्रीकांत शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का वोट बनना आवश्यक है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों से मिलकर हर बूथ पर अधिक से अधिक मतदाता जोड़ने का आह्वान किया। पार्षद राकेश भाटिया ने बताया कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के जो नागरिक मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, वे फॉर्म–6 भरकर मतदाता बन सकते हैं। महानगर अध्यक्ष राजू यादव ने जानकारी दी कि भाजपा द्वारा चार दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत हर बूथ पर जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ पदाधिकारी पहुंच रहे हैं।

इस मौके पर मंडल महामंत्री घनश्याम सैनी, विस्तारक घनश्याम गौतम, नीरज रावत, आशु खंडेलवाल, सनी ठाकुर, मुकेश कुमार, विनोद कुमार, टीटू ठाकुर, ब्रजेश कुमार, ज्ञान नारायण अग्रवाल, चंद्रप्रकाश गुप्ता एडवोकेट, विक्रांत गौड़ आदि भाजपाई मौजूद रहे।

पुलिस ने गिरफ्तार किए दो चोर

चोरी करने वाले दो चोर पुलिस के साथ।

शातिरों से चोरी का सामान बरामद

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने चोरी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया है। वृंदावन पुलिस के अनुसार 27 जनवरी 2025 को हैविलस कंपनी के तारों को बंडल जिनकी कीमत 20 हजार रुपये से लेकर 30 हजार रुपये थी। तीन मंजिल इमारत के तारों को काट ले जाने आदि की मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इस मामले में ठेकेदार कैलाश पर शक जाहिर किया गया था कि उसके द्वारा एक लाख 80 हजार रुपये के तार के बंडल और बिल्डिंग में तारों को काट लिया गया जिससे उसका करीब साढ़े तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ था। पुलिस ने इस मामले में शुभम उर्फ चुम्मा निवासी बाकलपुर थाना हाईवे व सोनू निवासी बाकलपुर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक जनरेटर, एक मोटर लिफ्ट की, मोटर नॉन कटिंग वायर सहित बिजली के तार के सात बंडल जले हुए बिजली के तारों के दो बंडल बरामद किए हैं।

स्टेनलेस स्टील रेलिंग के मुद्दे पर भ्रामक सूचना न फैलाएं: डीएम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में लगाई जा रही स्टेनलेस स्टील रेलिंग के मुद्दे पर फैलाई जा रही भ्रामक सूचनाओं को गंभीरता से लिया। उन्होंने सख्त रुख अपनाया है। साफ शब्दों में कहा है कि सोशल मीडिया पर जानबूझकर झूठ फैलाने और मंदिर की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मंदिर में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित उच्चाधिकार समिति (न्यायमूर्ति अशोक कुमार की अध्यक्षता) के निर्देशों के अनुरूप लिया गया है। इसका उद्देश्य केवल और केवल श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित करना है। डीएम ने बताया कि मंदिर परिसर में लगाई जा रही रेलिंग सामान्य नहीं बल्कि उच्च गुणवत्ता की स्टेनलेस स्टील रेलिंग है, जिसकी तकनीकी जांच और सुरक्षा परीक्षण आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों द्वारा किया गया है। ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पूरी व्यवस्था पर होने वाला खर्च मंदिर के कोष से नहीं किया जा रहा है। यह राशि राष्ट्रीयकृत बैंकों की सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) निधि से प्राप्त की गई है। बावजूद इसके कुछ तत्व यह प्रचार कर रहे हैं कि मंदिर के धन का दुरुपयोग हो रहा है जो पूरी तरह भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण है। सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैलाई जा रही है कि रेलिंग लगाने वाला ठेकेदार किसी समुदाय विशेष से जुड़ा है। इस पर डीएम ने सख्ती से कहा कि कार्य रूपेश शर्मा ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा है।

सीपी सिंह

सनातन पर मौन नहीं अब निर्णायक संघर्ष का समय

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से भेंट करता प्रतिनिधिमंडल।

ब्रज में शीघ्र धर्म सभा को संबोधित करेंगे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज

यूनिक समय, मथुरा। माघ मेला प्रकरण में शासन की भूमिका के विरोध एवं सनातन धर्म की रक्षा को लेकर देशभर में उठ रही आवाज के क्रम में पूज्य शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज ने शीघ्र ही ब्रज क्षेत्र में आकर धर्म सभा को संबोधित करने की स्वीकृति प्रदान की है। इस विषय में हाल ही में अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा एवं श्री माथुर चतुर्वेदी समाज के संयुक्त तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने की। बैठक में सर्वसम्मति से शासन के जनविरोधी एवं धर्मविरोधी कृत्यों की निंदा करते हुए माघ मेला प्रकरण पर कठोर आपत्ति दर्ज की गई तथा पूज्य शंकराचार्य जी के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया गया। इसके पश्चात दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधि मंडल ने वाराणसी स्थित पूज्य महाराज जी के आश्रम में भेंट कर समर्थन पत्र सौंपा। भेंट के दौरान गौ–रक्षा, पवित्र नदियों की अविरलता, मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण एवं सनातन धर्म पर हो रहे प्रहार जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

महेश पाठक के आग्रह पर पूज्य शंकराचार्य जी ने ब्रज में धर्म सभा को संबोधित करने की सहमति दी। कार्यक्रम की तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल में संजय चतुर्वेदी, राकेश तिवारी (एडवोकेट), वाराणसी से कन्हैया त्रिपाठी, पप्पे चौबे एवं निर्भय पाठक शामिल रहे।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल में जूनियर्स ने दी सीनियर्स को विदाई

फेयरवेल पार्टी में प्रस्तुत किए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 12वीं के छात्र–छात्राओं के लिए भव्य फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने रंगारंग व भावनात्मक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपने सीनियर साथियों को विदाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या प्रिया मदान ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण कर किया। फेयरवेल पार्टी में हास्य–व्यंग्य, नृत्य, गीत, एकांकी तथा सामाजिक कुरीतियों पर आधारित प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर प्रस्तुति को दर्शकों की भरपूर सराहना मिली। इस दौरान सीनियर विद्यार्थियों ने विद्यालय में बिताए अपने अनुभव साझा किए और जूनियर्स को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी, जिससे वातावरण भावुक हो उठा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के बाद निर्णायकों डॉ. रीना अग्रवाल एवं विक्रांत ने रुद्राक्षी बंसल को मिस फेयरवेल तथा दुष्यंत सिंह को मिस्टर फेयरवेल घोषित किया। वहीं उन्नति जिंदल को मिस पर्सनालिटी और प्रथम गर्ग को मिस्टर पर्सनालिटी का खिताब प्रदान किया गया। विजेताओं को ताज एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। आर.के. एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल एवं विद्यालय के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की सीख दी। प्राचार्या प्रिया मदान ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन भावुक क्षणों के साथ हुआ।

अतिथियों के साथ मिस–मिस्टर फेयरवेल एवं पर्सनालिटी विजेता विद्यार्थी।

विशेष अनुरोध

यदि आपको यूनिक समय समाचार पत्र की प्रति (कॉपी) प्राप्त नहीं हो रही है तो हमारे इस मोबाइल नंबर पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। 8394983366

करी पत्ता करेगा बालों की हर परेशानी दूर

बालों के लिए करी पत्ता का इस्तेमाल कैसे करें?

यूनिक समय, नई दिल्ली। करी पत्ता का इस्तेमाल केवल खाने का स्वाद बढ़ाने तक सीमित नहीं है। यह बालों की सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। आयुर्वेद में करी पत्ते को बालों के लिए अमृत समान बताया गया है क्योंकि इसमें कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बालों की जड़ों को मजबूत करने और स्कैल्प को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं। इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की पर्याप्त मात्रा होती है, जो बालों को पोषण देती है और उन्हें टूटने या पतले होने से बचाती है। इसके अलावा करी पत्ते में मौजूद अमीनो एसिड बालों के मूल ढांचे को मजबूत बनाता है, जबकि इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण मुक्त कणों को खत्म करके बालों को लंबे समय तक स्वस्थ और चमकदार बनाए रखते हैं। बालों के लिए करी पत्ता के इस्तेमाल के कई आसान और असरदार तरीके हैं। सबसे सरल तरीका है करी पत्ता और दही का हेयर मास्क बनाना। इसके लिए मुट्ठी भर ताजा करी पत्ता लें और उसमें 2-3 बड़े चम्मच दही मिलाकर मिक्सर में पीस लें। तैयार पेस्ट को बालों की जड़ों और स्कैल्प पर अच्छी तरह लगाएं। करीब 30 मिनट तक इसे लगा रहने दें, फिर हल्के शैंपू और पानी से बाल धो लें। इस उपाय से बालों की जड़ों को पोषण मिलता है, बाल मजबूत होते हैं और डैंड्रफ जैसी समस्याओं में भी राहत मिलती है। करी पत्ता का दूसरा तरीका है नारियल तेल के साथ इस्तेमाल करना। नारियल तेल अपने आप में ही बालों को पोषण देने वाला होता है, और इसे करी पत्ते के साथ मिलाकर इस्तेमाल करने से लाभ दोगुना हो जाता है। एक बाउल या पैन में नारियल तेल हल्का गर्म करें और उसमें मुट्ठी भर करी पत्ता डाल दें। इसे धीमी आंच पर 4-5 मिनट तक गर्म करें, ताकि पत्तों के पोषक तत्व तेल में अच्छे से मिल जाएं। इस तेल को ठंडा होने पर बालों की जड़ों में लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। लगभग एक घंटे बाद बालों को शैंपू और पानी से धो लें। इससे बालों की मजबूती बढ़ती है, पोषण मिलता है और हेयर फॉल की समस्या धीरे-धीरे कम होने लगती है। करी पत्ता को पेस्ट या पाउडर के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। ताजा पत्तों को पीसकर पेस्ट तैयार करें या सूखे पत्तों को पीसकर पाउडर बनाएं। जब इस्तेमाल करना हो, तो पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें और इसे बालों की जड़ों और स्कैल्प पर लगाएं। कम से कम 30 मिनट तक लगा रहने दें, फिर बालों को साफ पानी और शैंपू से धो लें। नियमित रूप से करी पत्ता का इस्तेमाल बालों की जड़ों को मजबूत करने, बालों के टूटने और पतले होने की समस्या कम करने, डैंड्रफ दूर करने और बालों को लंबे, घने और चमकदार बनाने में मदद करता है। प्राकृतिक होने के कारण यह बालों पर धीरे और सुरक्षित तरीके से असर करता है। हालांकि, ध्यान रखें कि किसी भी नए उपाय को अपनाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है, ताकि किसी तरह की एलर्जी या संवेदनशीलता से बचा जा सके। धैर्यपूर्वक नियमित उपयोग से करी पत्ता बालों की सेहत के लिए वरदान साबित होता है और बालों से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करने में प्रभावी भूमिका निभाता है।

सिर्फ 10 मिनट में तैयार, एकदम नरम और खिला-खिला कांदा पोहा

यूनिक समय, नई दिल्ली। नाश्ते में पोहा हर किसी को पसंद आता है। छोटे-बड़े सभी इसके शौकीन होते हैं। पोहा हल्का और ताज़गी भरा नाश्ता है, जिसे रोज बनाकर खाया जा सकता है। इसे कई तरह से बनाया जाता है, लेकिन मराठी कांदा पोहा सबसे स्वादिष्ट माना जाता है। इसमें प्याज का फ्लेवर पोहा के स्वाद को कई गुना बढ़ा देता है। खास बात यह है कि कांदा पोहा सिर्फ 10 मिनट में तैयार हो जाता है।

स्टेप 1: पोहा बनाने के लिए नॉर्मल पोहा लें और उसे 2-3 बार पानी से धोकर छन्नी में रख दें। इससे फालतू पानी निकल जाएगा और पोहा फूलकर मुलायम हो जाएगा।

स्टेप 2: अब 1 बड़ा प्याज लंबा और मोटा-मोटा काट लें। 1-2 हरी मिर्च और हरा धनिया बारीक काट लें। थोड़ी मूंगफली को ड्राई रोस्ट कर लें। अगर चाहें तो मूंगफली को तेल में हल्का भून भी सकते हैं।

स्टेप 3: एक कड़ाही में 2 चम्मच सरसों का तेल डालें। इसमें जीरा और राई डालकर चटकाएं। फिर मूंगफली डालकर हल्का भूनें और प्याज तथा करी पत्ता डालें। प्याज को हल्का ही भूनें। अब हरी मिर्च और थोड़ी हल्दी डालें।

स्टेप 4: अब पोहा डालें। नमक और थोड़ी चीनी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। ऊपर से हरा धनिया और नींबू का रस निचोड़कर मिलाएं। 2 मिनट धीमी आंच पर ढककर पकाएं।

गर्मागरम खिला-खिला कांदा पोहा तैयार है। इसे वैसे ही खाया जा सकता है या ऊपर से थोड़ी आलू भुजिया डालकर भी परोसा जा सकता है। फटाफट बनने वाला यह नाश्ता स्वाद और मुलायमता में बेहतरीन है।

पैरों से मिलते हैं बीमारियों के संकेत, ध्यान में रखे ये लक्षण

यूनिक समय, नई दिल्ली। आपके शरीर के कई अंग जैसे आंख, दिमाग, कान, थायराइड, पेट, दिल-फेफड़े, पैंक्रियाज़, हड्डियां, किडनी और आंत, आपके पैरों के तलवों से जुड़े होते हैं। तलवों में अलग-अलग अंगों के एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स पाए जाते हैं। तलवों में दर्द महसूस होना कई बार किसी बड़ी समस्या का संकेत हो सकता है।

खासकर प्लांटर फेशिआइटिस नाम की समस्या में पैर के निचले हिस्से में एडियों के आसपास दर्द होता है। यह पैर में एक मोटे और लचीले स्ट्रक्चर के रूप में होता है, जो चलते-फिरते समय शरीर के वजन को सहने और झटकों को अवशोषित करने का काम करता है। जब इस हिस्से में तनाव या सूजन बढ़ जाती है, तो एड़ियों में तीव्र दर्द महसूस होता है। प्लांटर फेशिआइटिस के कारण दर्द उन लोगों में ज्यादा होता है जिनका हाई यूरिक एसिड, डायबिटीज़, हाइपोथायराइड, मोटापा या फ्लैट फुट की समस्या हो। इसके अलावा लंबे समय तक एक ही पोज़ीशन में बैठे रहने या पैरों को लटकाने से पैर सुन्न हो सकते हैं। इसका कारण नसों की कमजोरी और ब्लड सप्लाई का कम होना होता है। बार-बार पैर सुन्न होने पर यह आयरन की कमी का भी संकेत हो सकता है। आज की बदलती लाइफस्टाइल के कारण करीब 35 प्रतिशत भारतीय विभिन्न रोगों से परेशान हैं। हर 10 में से 1 एडल्ट को हाईपोथायराइड, 3 में से 1 शुगर पेशेंट को थायराइड की समस्या, 23 प्रतिशत भारतीय मोटापे के शिकार और 40 प्रतिशत लोगों के पेट पर अतिरिक्त फैट जमा है। खराब लाइफस्टाइल से लोगों में बीपी, शुगर, हाई कोलेस्ट्रॉल, ओबेसिटी, थायराइड, लंग्स प्रॉब्लम, इनसोम्निया, आर्थराइटिस और डेफिशियेंसी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए योग और आयुर्वेदिक उपाय बहुत मददगार हैं। रोजाना योग करने से शरीर में ऊर्जा बढ़ती है, बीपी और शुगर कंट्रोल में रहते हैं, वजन नियंत्रित रहता है, नींद बेहतर होती है और मूड भी सुधरता है। आयुर्वेदिक उपायों में सुबह एप्पल विनेगर पीना, रात को हल्दी वाला दूध पीना, थोड़ी देर धूप में बैठना, सात घंटे की नींद लेना और रोजाना योग करना शामिल है। इन उपायों से न केवल पैरों के दर्द और सुन्नपन की समस्या कम होती है, बल्कि पूरे शरीर की सेहत भी बेहतर रहती है।

आंखों में दर्द या धुंधलापन? हो सकता है कैंसर

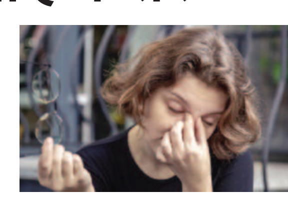

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंखों का कैंसर एक गंभीर लेकिन दुर्लभ बीमारी है, जिसके शुरुआती लक्षण अक्सर मामूली समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। अगर समय रहते इसके संकेतों को पहचान लिया जाए, तो इलाज आसान हो सकता है और आंखों की रोशनी भी बचाई जा सकती है। डॉ. अग्रवाल नेत्र चिकित्सालय के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रजत कपूर बताते हैं कि समय पर पहचान न होने पर यह बीमारी न केवल दृष्टि छीन सकती है, बल्कि जान के लिए भी खतरा बन सकती है।

डॉ. कपूर के अनुसार, आंखों के कैंसर की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसके शुरुआती लक्षण आम आंखों की परेशानियों जैसे लगते हैं। इसी वजह से लोग इसे गंभीरता से नहीं लेते और इलाज में देरी हो जाती है। आंखों के कैंसर के संभावित लक्षणों में अचानक या धीरे-धीरे धुंधला दिखना, आंखों के भीतर या आसपास गांठ या सूजन, रंगों को पहचानने में परेशानी, आंखों में लगातार दर्द, लंबे समय तक एक ही आंख में समस्या बने रहना और बच्चों में फोटो खिंचवाते समय आंखों में सफेद चमक दिखाई देना शामिल है। इनमें से कोई भी लक्षण दिखे तो तुरंत नेत्र रोग विशेषज्ञ से संपर्क करना जरूरी है। गलत या देर से पहचान आंखों के कैंसर को और खतरनाक बना देती है। लोग इसे आंखों की थकान, सिरदर्द या मोबाइल और कंप्यूटर के अधिक इस्तेमाल का असर मानकर टाल देते हैं, जिससे बीमारी फैलने का समय पा जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर शुरुआती अवस्था में पहचान हो जाए, तो आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों से इसका सफल इलाज संभव है। समय पर जांच न केवल आंखों की रोशनी, बल्कि जीवन की भी रक्षा कर सकती है।

ट्रंप से मुलाकात के बाद चर्चा में निकी मिनाज के नाखून

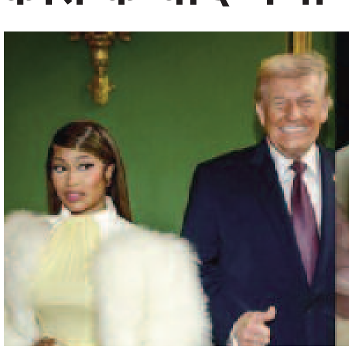

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में ट्रेज़री विभाग के एक कार्यक्रम के दौरान अपनी "नंबर एक प्रशंसक" से मुलाकात की। यह प्रशंसक कोई और नहीं बल्कि मशहूर रैपर निकी मिनाज थीं। इस दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने सरकार की एक नई योजना के तहत नवजात बच्चों के लिए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। इस योजना के अंतर्गत बच्चों के लिए डेढ़ लाख से तीन लाख डॉलर तक की राशि देने का वादा किया गया है। इस पहल के बाद राष्ट्रपति ट्रंप और निकी मिनाज की जोड़ी दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गई है।

कार्यक्रम के दौरान निकी मिनाज ने अपने भाषण में कहा, "मैं शायद राष्ट्रपति की नंबर एक प्रशंसक हूं और यह कभी बदलने वाला नहीं है। लोग जो नफरत या नकारात्मक बातें करते हैं, उनका मुझ पर कोई असर नहीं होता।" वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने निकी मिनाज की तारीफ करते हुए उन्हें "इतिहास की सबसे महान महिला रैपर" बताया। मज़ाकिया अंदाज़ में ट्रंप ने यह भी कहा कि वे खुद भी लंबे नाखून बढ़ाना चाहेंगे, क्योंकि उन्हें निकी के नाखून बेहद पसंद आए। इस मुलाकात की तस्वीरों में निकी मिनाज अपने बेहद लंबे और सजे हुए नाखूनों को दिखाती नजर आईं। हालांकि, यह सवाल भी उठने लगा कि क्या इतने लंबे नाखून सेहत के लिए सही होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि दिखने में आकर्षक लगने वाले ये नाखून कई स्वास्थ्य समस्याओं की वजह बन सकते हैं। लंबे नाखूनों के साथ लिखना, टाइप करना और रोजमर्रा के काम करना काफी मुश्किल हो जाता है। इनकी साफ-सफाई और देखभाल भी आसान नहीं होती। नाखूनों की अधिक लंबाई और वजन के कारण प्राकृतिक नाखून मुड़ने, टूटने और कमजोर होने लगते हैं। इसके अलावा, नाखूनों के नीचे नमी और गंदगी जमा हो जाती है, जिससे जीवाणु और फंगस पनपने लगते हैं और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. जावरिया के अनुसार, लंबे समय तक ऐसे सजावटी नाखून इस्तेमाल करने से लोग कई समस्याओं के साथ इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें नाखूनों का कमजोर और भंगुर होना, दर्दनाक दरारें, फंगल संक्रमण, नाखूनों का अपनी जड़ से उठ जाना और नाखूनों पर लगाए जाने वाले गोंद व रसायनों से एलर्जी शामिल है। एलर्जी के कारण लालिमा, खुजली और सूजन जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। अगर लंबे समय तक कृत्रिम नाखून लगाए जाएं, तो प्राकृतिक नाखूनों को ठीक होने में कई महीने लग सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, सबसे बड़ा खतरा कटिकल संक्रमण का होता है। नाखून लगाने के दौरान कटिकल को पीछे धकेला या काटा जाता है, जिससे उसकी प्राकृतिक सुरक्षा खत्म हो जाती है। कटिकल एक ढाल की तरह काम करता है, जो बैक्टीरिया और फंगस को अंदर जाने से रोकता है। जब यह सुरक्षा टूट जाती है, तो नाखूनों के आसपास सूजन, लालिमा, दर्द और कभी-कभी पस तक बन सकती है। अगर फिर भी कोई नाखून बढ़ाने या सजाने का शौक रखता है, तो कुछ सावधानियां जरूरी हैं। हर बार नाखून सजवाने के बीच पर्याप्त अंतर रखें, कटिकल को काटने से बचें, नाखूनों को साफ और सूखा रखें और किसी भी तरह की परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

सुविचार

खुद की समझदारी भी मायने रखती है, वरना अर्जुन और दुर्योधन के गुरु तो एक ही थे।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	11:09-08:25 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पुनर्वसु	03:27-01:34 तक	माह	फाल्गुन
सूर्योदय		7:10 AM	चन्द्रोदय	04:17 PM
सूर्यास्त		5:55 PM	चंद्रास्त	06:39 AM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	कर्क राशि
शुभ मुहूर्त	12:09PM -12:51 PM		ब्रहम् मुहूर्त	05:34-06:22
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	09:51 AM-11:12 AM		वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नए साल का व्रत–त्योहार कैलेंडर

- 5 फरवरी, दिन बृहस्पतिवार : द्विजप्रिय संकष्टी
- 13 फरवरी, दिन शुक्रवार : विजया एकादशी
- 14 फरवरी, दिन शनिवार : शनि प्रदोष व्रत
- 15 फरवरी, दिन रविवार : महाशिवरात्रि या फाल्गुन मासिक शिवरात्रि
- 17 फरवरी, दिन मंगलवार : दर्श अमावस्या, फाल्गुन अमावस्या, पहली भौमवती अमावस्या

होलिका दहन पर भद्रा का साया और चंद्र ग्रहण की चुनौती

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में होली का पर्व अत्यंत पावन और उल्लास से भरा माना जाता है। यह त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार पूर्णिमा की रात को होलिका दहन किया जाता है और अगले दिन प्रतिपदा तिथि पर रंगों की होली यानी धुलंडी मनाई जाती है। वर्ष 2026 में होली का पर्व विशेष संयोग लेकर आ रहा है, क्योंकि इस बार होलिका दहन पर भद्रा और चंद्र ग्रहण का साया भी पड़ रहा है। ऐसे में लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर होलिका दहन कब किया जाए और रंगवाली होली किस दिन मनाई जाए। आइए जानते हैं पंचांग और शास्त्रों के आधार पर पूरी सटीक जानकारी।

पूर्णिमा तिथि कब से कब तक रहेगी? वर्ष 2026 में फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि दो दिन व्यापिनी रहेगी। पूर्णिमा तिथि प्रारंभः 2 मार्च, शाम 5:55 बजे, पूर्णिमा तिथि समाप्तः 3 मार्च, शाम 5:07 बजे तक, इसी कारण होलिका दहन की तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। चंद्र ग्रहण का समय और सूतक काल- 3 मार्च 2026 (मंगलवार), चंद्र ग्रहण समयः शाम 6:26 से 6:46 बजे तक, सूतक कालः सुबह 9:39 बजे से शाम 6:46 बजे तक, शास्त्रों के अनुसार ग्रहण और सूतक काल में किसी भी प्रकार का शुभ या धार्मिक कार्य नहीं किया जाता। भद्रा काल की स्थिति- होलिका दहन में भद्रा का विशेष महत्व होता है, क्योंकि भद्रा काल में होलिका दहन वर्जित माना गया है। भद्रा प्रारंभः 2 मार्च, शाम 05:55 बजे, भद्रा समाप्तः 3 मार्च, सुबह 5:28 बजे, अर्थात 2 मार्च की शाम से लेकर 3 मार्च की सुबह तक भद्रा का साया रहेगा। शास्त्रों में होलिका दहन के नियम, शास्त्रों में होलिका दहन को लेकर स्पष्ट नियम बताए गए हैं- होलिका दहन पूर्णिमा तिथि में सूर्यास्त के बाद (प्रदोष काल) किया जाना चाहिए। भद्रा काल में होलिका दहन वर्जित है। दहन के समय सूतक काल नहीं होना चाहिए, क्योंकि पहले पूजन किया जाता है।

शास्त्रों में कहा गया है- "भद्रायां द्वे न कर्तव्ये श्रावणी फाल्गुनी तथा", अर्थात भद्रा में रक्षाबंधन और होली का दहन नहीं करना चाहिए। 2 मार्च को होलिका दहन क्यों बताया जा रहा है? कुछ पंचांगों के अनुसार 2 मार्च को सूर्यास्त के बाद पूर्णिमा तिथि उपलब्ध है और उस समय चंद्र ग्रहण नहीं है। इसी आधार पर कुछ ज्योतिषाचार्य 2 मार्च की शाम होलिका दहन की बात कर रहे हैं। हालांकि इस दिन भद्रा काल पूरे प्रदोष समय में व्याप्त रहेगा, जिसके कारण कई विद्वान इस तिथि को उपयुक्त नहीं मानते।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

3 मार्च को होलिका दहन क्यों माना जा रहा है श्रेष्ठ? अधिकांश विद्वानों के अनुसार 3 मार्च को होलिका दहन करना अधिक उचित है, क्योंकि- भद्रा काल सुबह 5:28 बजे समाप्त हो चुका होगा। चंद्र ग्रहण और सूतक काल शाम 6:46 बजे खत्म हो जाएगा। इसके बाद प्रदोष काल में दहन करना शुद्ध और दोषमुक्त माना जाता है। हालांकि 3 मार्च को पूर्णिमा तिथि शाम 5:07 बजे समाप्त हो रही है, लेकिन शास्त्रों के अनुसार प्रदोष व्यापिनी तिथि को मान्यता दी जाती है। धुलेंडी कब मनाई जाएगी? होलिका दहन के अगले दिन प्रतिपदा तिथि पर रंगों की होली यानी धुलेंडी मनाई जाती है। इस हिसाब से- होलिका दहनः 3 मार्च, सूर्यास्त के बाद, धुलंडी (रंगवाली होली): 4 मार्च।

कल का राशिफल

मेष राशि: निराशावादी रवैये से बचें क्योंकि न सिर्फ़ यह आपकी संभावनाओं को कम कर देगा, बल्कि शरीर के आंतरिक संतुलन को भी बिगाड़ देगा।

वृषभ राशि: बेकार की बात पर बहस करके अपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। याद रखें कि वाद–विवाद से कुछ भी हासिल नहीं होता, लेकिन खोता ज़रूर है।

मिथुन राशि: शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं। अपने पैसे को संचय करने के लिए अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरूरत है।

कर्क राशि: भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। घर की जरुरतों को देखते हुए आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं।

सिंह राशि: अपने आफिस से जल्दी निकलने की कोशिश करें और वे काम करें जिन्हें आप वाकई पसंद करते हैं। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें।

कन्या राशि: तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। अपने गुस्से पर काबू रखें और ऑफिस में सबके साथ ढ़ग से व्यवहार करें अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपकी जॉब जा सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है।

तुला राशि: परिवार के कुछ सदस्य अपने ईर्ष्यालु स्वभाव से आपके लिए झुंझलाहट की वजह बन सकते हैं। लेकिन अपना आपा खोने की ज़रूरत नहीं है, नहीं तो हालात बेक़ाबू हो सकते हैं। याद रखें, जिसे सुधारा नहीं जा सकता, उसे स्वीकार करने में ही भलाई है।

वृश्चिक राशि: आपका व्यक्तित्व इत्र की तरह महकेगा और सबको आकर्षित करेगा। आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरूरत है।

मकर: स्वास्थ्य का ध्यान रखें और चीज़ों को व्यवस्थित करें। आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें।

धनु राशि: किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे।

कुंभ राशि: बेकार की बात पर बहस करके आपकी ऊर्जा ज़ाया न करें। याद रखें कि वाद–विवाद से कुछ भी हासिल नहीं होता, लेकिन खोता ज़रूर है।

श्रीराधा रानी: ब्रजधाम की अधिष्ठात्री देवी

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण के अनेक धाम माने जाते हैं–द्वारिका, जगन्नाथपुरी और मथुरा–लेकिन ब्रजधाम को पूर्ण रूप से श्रीराधा रानी का धाम माना जाता है। विशेषकर वृंदावन में आज भी भक्तों की अटूट श्रद्धा है कि राधाजी साक्षात विराजमान हैं। उनका उल्लेख विष्णु, पद्म और ब्रह्मवैवर्त पुराणों में मिलता है।

श्रीराधा का जन्म स्थान और तिथि– मान्यताओं के अनुसार श्रीराधा का जन्म यमुना तट स्थित रावल ग्राम में हुआ था। बाद में उनके पिता वृषभानु जी बरसाना में बस गए, इसलिए बरसाना को राधाजी की जन्मस्थली के रूप में पूजा जाता है। पुराणों के अनुसार भाद्रपद शुक्ल अष्टमी को श्रीराधा का जन्म हुआ, इसी दिन राधाष्टमी का पर्व मनाया जाता है।

जन्म नाम और परिवार– पद्म पुराण के अनुसार राधाजी के पिता वृषभानु और माता कीर्ति थीं। उनका जन्म नाम वृषभानु कुमारी था।

श्रीकृष्ण से प्रथम मिलन– दक्षिण भारत की कथा के अनुसार जब माता यशोदा ने बालकृष्ण को ओखल से बांधा, तभी राधाजी ने उनका प्रथम दर्शन किया। उत्तर भारतीय मान्यता के अनुसार गोकुल यात्रा के दौरान दोनों का प्रथम मिलन हुआ।

मुरली की धुन और महारास– श्रीकृष्ण की मुरली की मधुर धुन सुनकर राधाजी प्रेम में लीन होकर गोपियों संग नृत्य करने लगती थीं। पूर्णिमा की रात श्रीकृष्ण ने राधा सहित गोपियों के साथ महारास रचाया, जो प्रेम और भक्ति का सर्वोच्च प्रतीक माना जाता है।

प्रेम की निशानियां और अष्ट सखियां– मथुरा जाते समय श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली राधाजी को सौंप दी। मोरपंख और वैजयंती माला प्रेम की अमर निशानी बने। राधाजी की अष्ट सखियां उनकी सेवा और कृष्ण लीला में सहायक थीं।

श्रीराधा का महाप्रयाण– द्वारिका में अंतिम मिलन के बाद श्रीकृष्ण की बांसुरी की मधुर धुन सुनते–सुनते श्रीराधा ने देह त्याग किया, और उनका प्रेम युगों–युगों तक अमर हो गया।

सच्ची भक्ति का फल : कैसे एक साधारण भक्त बना भगवान का प्रिय

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण को लीला पुरुषोत्तम कहा जाता है। वे केवल राजाओं और ऋषियों के ही नहीं, बल्कि साधारण और निष्कपट भक्तों के भी उतने ही प्रिय हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कथा है श्रीकृष्ण और उनके परम भक्त मनसुखा की, जो यह सिखाती है कि ईश्वर को दिखावा नहीं, बल्कि सच्चा प्रेम और भक्ति प्रिय होती है।

मनसुखा ब्रजभूमि का एक अत्यंत साधारण व्यक्ति था। न वह बड़ा विद्वान था, न धनी, न ही उसे शास्त्रों का विशेष ज्ञान था। लेकिन उसके हृदय में श्रीकृष्ण के प्रति अपार प्रेम और अटूट विश्वास था। उसका जीवन अत्यंत सरल था–दिनभर अपने कार्य करता और हर क्षण श्रीकृष्ण का नाम जपता रहता। मनसुखा का विश्वास था कि कृष्ण उसके अपने हैं, जैसे कोई सखा या परिवार का सदस्य।

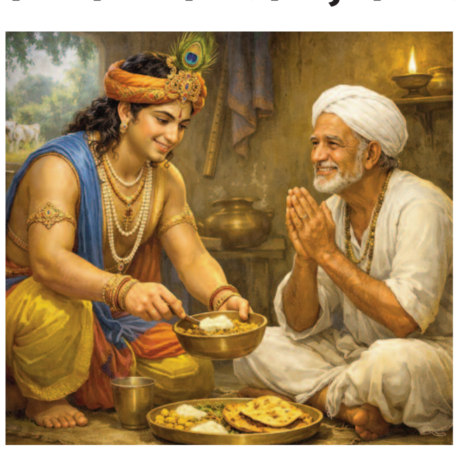

एक दिन मनसुखा को यह इच्छा हुई कि वह स्वयं श्रीकृष्ण के लिए भोजन बनाए। उसने न कोई बड़ा यज्ञ किया, न ही किसी को आमंत्रित किया। उसने बस अपने घर में उपलब्ध सादे अन्न से भोजन बनाया–रोटी, साग और थोड़ा सा माखन। "कन्हैया, आज जल्दी आना, मैंने तुम्हारे लिए अपने हाथों से खाना बनाया है।" उसकी आंखों में विश्वास था, दिल में प्रेम और मन में कोई संदेह नहीं। उसी समय द्वारिका में भगवान श्रीकृष्ण राजसभा में विराजमान थे। तभी वे अचानक उठ खड़े हुए। सभी आश्चर्यचकित रह गए। बलराम जी ने पूछा– "भैया, आप इस समय कहां जा रहे हैं?"श्रीकृष्ण मुस्कुराए और बोले– "मेरा भक्त मुझे बुला रहा है। मनसुखा ने प्रेम से भोजन बनाया है, मुझे जाना ही होगा।"

यह कहकर भगवान राजवैभव छोड़कर सीधे ब्रज की ओर चल पड़े। जब श्रीकृष्ण मनसुखा के घर पहुंचे, तो मनसुखा भावविभोर हो गया। उसकी आंखों से आंसू बहने लगे। उसने भगवान को गले लगा लिया, जैसे वर्षों से बिछड़ा कोई अपना मिल गया हो। मनसुखा ने भगवान को आदरपूर्वक बैठाया और सादा भोजन परोस दिया। न सोने की थाली थी, न राजसी पकवान–लेकिन प्रेम से भरा हुआ भोजन था। श्रीकृष्ण ने बड़े आनंद से भोजन किया और बोले– "मनसुखा, आज तो मुझे ऐसा स्वाद मिला है जो द्वारिका में भी नहीं मिलता।" उधर द्वारिका में माता रुक्मिणी को ज्ञात हुआ कि श्रीकृष्ण एक साधारण भक्त के घर भोजन करने गए हैं। उन्होंने विनम्र भाव से पूछा– "प्रभु, वह भक्त ऐसा कौन है, जिसके बुलाने पर आप सब कुछ छोड़कर चले गए?" श्रीकृष्ण ने उत्तर दिया– "रुक्मिणी, मनसुखा ने मुझे प्रेम से बुलाया था। जहां प्रेम होता है, वहां भगवान को स्वयं जाना पड़ता है।" भोजन के बाद श्रीकृष्ण ने मनसुखा से कहा– "कुछ मांगो, मैं तुम्हारी इच्छा पूरी करूंगा।" मनसुखा ने हाथ जोड़कर कहा– "प्रभु, मुझे कुछ नहीं चाहिए। बस आप यूं ही कभी–कभी मेरे पास आते रहना।" यह सुनकर श्रीकृष्ण अत्यंत प्रसन्न हुए और बोले– "मनसुखा, तुम्हारी भक्ति ने मुझे बांध लिया है। मैं सदा तुम्हारे हृदय में वास करूंगा।"

सम्पादकीय

युवा शक्ति: शिक्षा से आत्मनिर्भरता की ओर

भारत आज जिस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, वहाँ उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसका युवा वर्ग है। देश की आधी से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जो ऊर्जा, नवाचार और सपनों से भरी हुई है। यह युवा शक्ति यदि सही दिशा, अवसर और मार्गदर्शन पाए, तो भारत को आने वाले दशकों में वैश्विक नेतृत्व की ऊँचाइयों तक पहुँचा सकती है। हाल ही में प्रस्तुत केंद्रीय बजट ने इसी युवा शक्ति को केंद्र में रखकर भविष्य की नींव मजबूत करने का प्रयास किया है। यह बजट केवल संख्याओं का दस्तावेज नहीं है, बल्कि एक दीर्घकालिक दृष्टि का परिचायक है, जो भारत को रोजगार माँगने वाले देश से रोजगार देने वाला समाज बनाना चाहता है। आज का युग तीव्र तकनीकी परिवर्तन का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन और डिजिटल क्रांति ने पारंपरिक नौकरियों की प्रकृति को बदल दिया है। ऐसे समय में यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो गया है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था युवाओं को किस दिशा में ले जा रही है। लंबे समय तक हमारी शिक्षा प्रणाली डिग्री-केंद्रित रही है, जहाँ अंक और प्रमाणपत्र सफलता का पैमाना माने गए। परिणामस्वरूप डिग्रियों की संख्या तो बढ़ी, लेकिन रोजगार के अवसर उसी अनुपात में नहीं बढ़ सके। यही कारण है कि शिक्षित बेरोजगारी आज एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी है। अब तक की शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा दोष यही रहा है कि वह ज्ञान तो देती रही, परंतु जीवन और रोजगार से उसका सीधा संबंध धीरे-धीरे कमजोर होता गया। किताबों में लिखे सिद्धांत और वास्तविक जीवन की ज़रूरतों के बीच एक गहरी खाई बन गई। युवाओं के हाथ में डिग्री तो थी, पर हुनर नहीं। इसी असंतुलन को दूर करने की दिशा में इस बजट ने एक ठोस पहल की है। शिक्षा और कौशल विकास से जुड़े प्रावधानों में की गई उल्लेखनीय वृद्धि यह संकेत देती है कि सरकार अब केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि व्यावहारिक क्षमता, रचनात्मक सोच और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना चाहती है। इस बजट की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है– बचपन से ही बच्चों को रचनात्मक सोच और तकनीकी समझ से जोड़ने की योजना। विद्यालयों में नई प्रकार की प्रयोगशालाओं और नवाचार केंद्रों की स्थापना का प्रस्ताव यह दर्शाता है कि अब शिक्षा केवल परीक्षा पास करने का माध्यम नहीं रहेगी, बल्कि सृजन और निर्माण की प्रक्रिया बनेगी। जिन बच्चों को अब तक केवल उपभोक्ता के रूप में देखा जाता था, वे अब निर्माता बनने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। खेल-खेल में सीखने की यह प्रक्रिया बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को सामने लाएगी और उनमें आत्मविश्वास का विकास करेगी। जब बच्चे कम उम्र से ही अपने विचारों को आकार देना सीखेंगे, तो वे भविष्य में नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि अवसर पैदा करने वाले बनेंगे। यह आत्मनिर्भरता की दिशा में पहला और सबसे मजबूत कदम होगा। इससे न केवल व्यक्तिगत विकास होगा, बल्कि समाज में नवाचार और उद्यमशीलता की संस्कृति भी विकसित होगी। आने वाले समय में यही बच्चे स्टार्टअप्स, लघु उद्योगों और तकनीकी समाधानों के माध्यम से देश की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करेंगे।

पवन गौतम

नजरिया

अंग्रेजी राज का वो कानून जिसने खोले शिक्षा के द्वार

ऐतिहासिक कानून जिसने भारतीय शिक्षा की नींव रखी

– वर्षा कुशवाहा

1 फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026-27 प्रस्तुत करते हुए शिक्षा क्षेत्र के लिए 1.39 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया। यह राशि न केवल पिछले वर्ष की तुलना में 8.27 प्रतिशत अधिक है, बल्कि यह इस बात का भी संकेत है कि आज भारत शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम मान रहा है। लेकिन जब आज हम लाखों करोड़ के शिक्षा बजट की बात करते हैं, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है–भारत को उसका पहला शिक्षा बजट कब और कैसे मिला था? इस प्रश्न का उत्तर हमें लगभग दो सौ वर्ष पीछे ब्रिटिश काल में ले जाता है, जब भारत में औपनिवेशिक शासन था और शिक्षा एक संगठित सरकारी व्यवस्था के रूप में लगभग अनुपस्थित थी। अंग्रेजों के भारत आगमन का उद्देश्य शिक्षा नहीं, बल्कि व्यापार और लाभ था। ईस्ट इंडिया कंपनी ने जब भारत में अपने पाँव जमाए, तब उसका लक्ष्य केवल व्यापारिक एकाधिकार और राजस्व संग्रह था। उस समय भारत में शिक्षा मुख्यतः- गुरुकुलों, मदरसों, पाठशालाओं, फारसी और संस्कृत केंद्रों तक सीमित थी। राज्य की ओर से कोई केंद्रीकृत शिक्षा नीति या बजट नहीं था। शिक्षा समाज और धार्मिक संस्थानों के भरोसे चल रही थी। भारत को पहला शिक्षा बजट किस एक्ट से मिला? भारत को उसका पहला औपचारिक शिक्षा बजट मिला था– यही वह ऐतिहासिक कानून था, जिसने पहली बार सरकारी स्तर पर शिक्षा के लिए धन आवंटन किया। चार्टर एक्ट क्या होता है? चार्टर एक्ट वे कानून होते थे, जिनके माध्यम से ब्रिटिश संसद– ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारों व्यापारिक नीतियों, प्रशासनिक शक्तियों और भारत में शासन की अवधि को नियंत्रित करती थी। हर 20 वर्ष में कंपनी का चार्टर नवीनीकृत किया जाता था। चार्टर एक्ट 1813: ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, चार्टर एक्ट 1813 से पहले– ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में व्यापार का एकाधिकार प्राप्त था, कंपनी की शक्तियाँ लगभग असीमित थीं, शिक्षा और सामाजिक सुधार सरकार की प्राथमिकता नहीं थे, लेकिन 19वीं सदी के आरंभ तक परिस्थितियाँ बदलने लगीं। यूरोप में नेपोलियन युद्ध और भारत पर प्रभाव, चार्टर एक्ट 1813 के पीछे एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय कारण था– नेपोलियन बोनापार्ट, यूरोप में नेपोलियन बोनापार्ट का वर्चस्व बढ़ रहा था। उसने ब्रिटिश व्यापार पर प्रतिबंध लगा दिया। इससे ब्रिटिश उद्योग को भारी नुकसान हुआ, ब्रिटेन को नए बाज़ारों की तलाश करनी पड़ी, भारत को व्यापार के लिए खोलने की माँग तेज़ हुई, चार्टर एक्ट 1813 क्यों लागू किया गया? इस एक्ट के लागू होने के पीछे तीन प्रमुख कारण थे– ब्रिटिश व्यापारिक हित, यूरोप में प्रतिबंध के बाद भारत को मुक्त व्यापार के लिए खोलना। ईसाई मिशनरियों का दबाव, भारत में– ईसाई धर्म के प्रचार, शिक्षा और समाज सुधार, अंग्रेजी शिक्षा के प्रसार की माँग बढ़ रही थी। ईस्ट इंडिया कंपनी की शक्तियों पर नियंत्रण, ब्रिटिश संसद चाहती थी कि कंपनी एक मैनेजमेंट बॉडी बने, न कि संप्रभु शक्ति। चार्टर एक्ट 1813 की प्रमुख विशेषताएँ, चार्टर एक्ट 1813 ने भारत के प्रशासन और शिक्षा- दोनों पर गहरा प्रभाव डाला। व्यापार में बदलाव, कंपनी का व्यापारिक एकाधिकार समाप्त, भारत को सभी ब्रिटिश व्यापारियों के लिए खोला गया, केवल चीन व्यापार और चाय व्यापार कंपनी के पास रहा, शिक्षा के लिए पहली बार धन आवंटन, यही इस एक्ट की सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि थी।, भारत में शिक्षा के लिए पहली बार सरकारी बजट तय किया गया। भारत का पहला शिक्षा बजट कितना था? चार्टर एक्ट 1813 के तहत– 1 लाख रुपये प्रति वर्ष शिक्षा के लिए निर्धारित किए गए। आज के समय में यह राशि छोटी लग सकती है, लेकिन उस समय– यह एक क्रांतिकारी कदम था, पहली बार शिक्षा को सरकारी दायित्व माना गया, शिक्षा को औपचारिक रूप से राज्य नीति का हिस्सा बनाया गया, यह 1 लाख रुपये क्यों महत्वपूर्ण थे? इस राशि से शिक्षा की नींव रखी गई, सरकारी हस्तक्षेप की शुरुआत हुई, आधुनिक शिक्षा प्रणाली का मार्ग प्रशस्त हुआ यही कारण है कि चार्टर एक्ट 1813 को भारतीय शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला माना जाता है। ओरिएंटलिस्ट बनाम एंग्लिसिस्ट विवाद, चार्टर एक्ट 1813 के बाद शिक्षा को लेकर एक बड़ा वैचारिक संघर्ष शुरू हुआ ओरिएंटलिस्ट, संस्कृत, फारसी, अरबी शिक्षा के समर्थक, भारतीय परंपरागत ज्ञान को महत्व, एंग्लिसिस्ट, अंग्रेजी शिक्षा के पक्षधर, पश्चिमी विज्ञान और दर्शन के समर्थक यह विवाद आने वाले दशकों तक चला और आगे चलकर– मैकाले मिनट (1835) वुड्स डिस्पैच (1854) जैसे ऐतिहासिक दस्तावेजों की नींव बना। क्या चार्टर एक्ट 1813 केवल शिक्षा तक सीमित था? नहीं। इस एक्ट का प्रभाव बहुत व्यापक था। संप्रभुताः कंपनी से क्राउन की ओर चार्टर एक्ट 1813 के माध्यम से, भारत की संप्रभुता औपचारिक रूप से ब्रिटिश क्राउन के अधीन मानी गई, ईस्ट इंडिया कंपनी केवल प्रशासनिक एजेंसी बन गई। हालाँकि- भू-भाग कंपनी के पास ही रहा, लेकिन अंतिम अधिकार ब्रिटिश संसद के पास था, भारतीय इतिहास में चार्टर एक्ट 1813 का महत्व चार्टर एक्ट 1813- भारत का पहला शिक्षा बजट, व्यापारिक एकाधिकार का अंत, ईसाई मिशनरियों का प्रवेश, शिक्षा को सरकारी नीति का दर्जा, आधुनिक शिक्षा की नींव, इन सभी कारणों से यह एक्ट प्रतियोगी परीक्षाओं में अत्यंत महत्वपूर्ण है। महत्वपूर्ण तथ्य एक नजर में- पहला शिक्षा बजटः चार्टर एक्ट 1813, राशिः 1 लाख रुपये वार्षिक, विवादः ओरिएंटलिस्ट बनाम एंग्लिसिस्ट, संप्रभुताः ब्रिटिश क्राउन अवधि विस्तारः ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन +20 वर्ष शिक्षा की यात्रा का पहला कदम, आज जब भारत शिक्षा पर लाखों करोड़ रुपये खर्च कर रहा है, तब यह याद रखना ज़रूरी है कि इस यात्रा की शुरुआत मात्र 1 लाख रुपये से हुई थी। चार्टर एक्ट 1813 भले ही औपनिवेशिक हितों से प्रेरित रहा हो, लेकिन उसी के माध्यम से भारत में- आधुनिक शिक्षा, सरकारी शिक्षा नीति और संगठित बजट व्यवस्था की नींव पड़ी। यही वह पहला कदम था, जिसने आगे चलकर भारत को- ज्ञान, विज्ञान और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर अग्रसर किया।

विचार विण्डो

स्वच्छ ऊर्जा और हरित भविष्य की ओर भारत का ऐतिहासिक कदम

– अमन तिवारी

भारत स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए देश में पहली बार हाइड्रोजन से चलने वाली बसों के संचालन की घोषणा की है। यह पहल न केवल विमानन क्षेत्र के लिए एक नई शुरुआत है, बल्कि भारत के ग्रीन ट्रांसपोर्ट मिशन को भी नई गति देने वाली साबित होगी। कोच्चि इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का पहला ऐसा एयरपोर्ट बनने जा रहा है, जहां यात्रियों की आवाजाही के लिए हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी। अब तक भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा था, लेकिन हाइड्रोजन आधारित सार्वजनिक परिवहन की शुरुआत अपने आप में एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है। हाइड्रोजन बसें पूरी तरह शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली होती हैं। इनमें धुआं या प्रदूषक गैसें नहीं निकलतीं, बल्कि केवल जलवाष्प उत्सर्जित होती है। यही कारण है कि इन्हें भविष्य के परिवहन का सबसे स्वच्छ विकल्प माना जाता है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को साकार करने के लिए एक फरवरी को कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड और केरल हाइड्रोजन वैली इनोवेशन क्लस्टर (एचवीआईसी) फाउंडेशन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ। इस समझौते के साथ ही हाइड्रोजन बसों के संचालन का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया। केरल के बिजली मंत्री के. कृष्णनकुट्टी ने एचवीआईसी फाउंडेशन की ओर से दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। वहीं उद्योग मंत्री पी. राजीव, जो सीआईएएल के निदेशक भी हैं, ने एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ भी मौजूद रहे। यह पूरा प्रोजेक्ट भारत सरकार के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' के तहत लागू किया जा रहा है। इस मिशन का उद्देश्य भारत को ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन, उपयोग और निर्यात के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनाना है। हाइड्रोजन बसों की शुरुआत इस मिशन का व्यावहारिक उदाहरण है, जो यह दर्शाता है कि स्वच्छ ऊर्जा अब केवल योजनाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि जमीन पर उतरने लगी है। समझौते के तहत कोचीन एयरपोर्ट के लिए कुल तीन हाइड्रोजन फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी। प्रति बस लागतः लगभग 2.90 करोड़ रुपये, कुल परियोजना लागतः 8.7 करोड़ रुपये, इन बसों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता केरल एचवीआईसी फाउंडेशन द्वारा प्रदान की जाएगी। यह राशि चरणबद्ध तरीके से जारी की जाएगी। अनुमान है कि अगले 12 महीनों के भीतर बसों की खरीद और डिलीवरी की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। बसों का संचालन और स्वामित्व सीआईएएल के पास रहेगा, बसों की डिलीवरी के बाद उनका स्वामित्व कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के पास रहेगा। बसों के रूट और संचालन की योजना एयरपोर्ट प्रशासन तय करेगा। कानूनी, तकनीकी और संचालन से जुड़ी सभी जिम्मेदारियां भी सीआईएएल की होंगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि बसें यात्रियों की सुविधा के अनुसार सुचारु और सुरक्षित ढंग से चलाई जाएं। यात्रियों को मिलेगा बेहतर और शांत सफर का अनुभव, हाइड्रोजन बसों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ये शांत, स्मूद और बिना कंपन के चलती हैं। इससे यात्रियों को न केवल आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा, बल्कि एयरपोर्ट परिसर में शोर प्रदूषण भी कम होगा। सीआईएएल के अनुसार, इन बसों से यात्रियों की सुविधा में सुधार होगा, एयरपोर्ट के अंदर यातायात अधिक सुव्यवस्थित होगा, पर्यावरण के प्रति यात्रियों में जागरूकता बढ़ेगी, कार्बन उत्सर्जन में आएगी बड़ी कमी, एयरपोर्ट जैसे बड़े परिसरों में वाहनों से होने वाला कार्बन उत्सर्जन काफी अधिक होता है। हाइड्रोजन बसों के संचालन से डीजल और पेट्रोल पर निर्भरता घटेगी, कार्बन डाईऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैसों का उत्सर्जन लगभग शून्य हो जाएगा, एयरपोर्ट का कार्बन फुटप्रिंट काफी हद तक कम होगा, सीआईएएल पहले ही सोलर एनर्जी के क्षेत्र में देश का अग्रणी एयरपोर्ट रहा है और अब हाइड्रोजन बसों के साथ उसने एक और मिसाल कायम कर दी है। ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट से होगी ईंधन आपूर्ति, इन बसों के लिए हाइड्रोजन ईंधन की आपूर्ति सीआईएएल और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) मिलकर करेंगे। दोनों संस्थाएं मिलकर एक ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट विकसित कर रही हैं। प्लांट को सभी जरूरी कानूनी मंजूरियां मिल चुकी हैं, इसके जल्द शुरू होने की उम्मीद है, यह प्लांट नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा, इससे पूरी प्रणाली पूरी तरह ग्रीन और सस्टेनेबल बन जाएगी।

20 साल बाद वापसी, 42 साल का कप्तान बनाएगा कीर्तिमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 में कुल 20 टीमें भाग लेंगी। इन 20 टीमों में इटली एकमात्र ऐसी टीम है, जो इस टूर्नामेंट में पहली बार खेल रही है। यही वजह है कि इस बार का विश्व कप इटली की टीम के लिए बेहद खास होने वाला है। इटली को समूह सी में रखा गया है, जहां उसका सामना नेपाल, स्कॉटलैंड, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी मजबूत टीमों से होगा। इटली अपना पहला मुकाबला 9 फरवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलेगी और टीम अपने डेब्यू टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करना चाहेगी। इस टूर्नामेंट में इटली के कप्तान वेन मैडसेन भी सुर्खियों में बने हुए हैं। मैडसेन दो अलग–अलग खेलों के विश्व कप में दो देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने जा रहे हैं। यह टी20 विश्व कप के इतिहास में पहली बार देखने को मिलेगा जब कोई खिलाड़ी पहले किसी अन्य खेल का विश्व कप खेल चुका हो। वेन मैडसेन दक्षिण अफ्रीका में जन्मे हैं और उन्होंने 2006 में दक्षिण अफ्रीका के लिए हॉकी विश्व कप खेला था। उस समय वे महज 22 वर्ष के थे। हालांकि, उस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम ने पांच मुकाबले खेले, जिनमें तीन में हार और दो ड्रॉ रहे। भारत और दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले क्रमशः 1–1 और 2–2 से ड्रॉ हुए, जबकि प्लेऑफ में भारत से 0–1 की हार के बाद टीम अंतिम स्थान पर रही। क्रिकेट में मैडसेन का अनुभव बहुत समृद्ध है। हॉकी विश्व कप से पहले ही उन्होंने 2004 में क्वाजुलू–नटाल के लिए प्रथम श्रेणी और सूची–ए क्रिकेट खेला था। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट में डर्बीशायर के लिए अपने करियर का बड़ा हिस्सा बिताया। कुछ साल बाद वे इंग्लैंड की वरिष्ठ क्रिकेट टीम में खेलने के पात्र हो सकते थे, लेकिन दुर्भाग्य से उन्हें न तो दक्षिण अफ्रीका और न ही इंग्लैंड की वरिष्ठ टीम में खेलने का मौका मिला। 42 वर्ष की आयु में वेन मैडसेन ने जुलाई 2023 में इटली के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। अब तक उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में सात मुकाबले खेले हैं और 205 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 132.25 का है और उनके नाम दो अर्धशतक दर्ज हैं। इसके अलावा, उनके पास टी20 क्रिकेट का व्यापक अनुभव है।

उन्होंने कुल 219 टी20 मुकाबलों में 5516 रन बनाए हैं, जिनमें उनका स्ट्राइक रेट 135.16 का है। इस दौरान उन्होंने दो शतक और 35 अर्धशतक भी लगाए हैं। टी20 विश्व कप 2026 में इटली की टीम और कप्तान वेन मैडसेन दोनों ही इतिहास रचने की कोशिश करेंगे। इटली का डेब्यू टूर्नामेंट होने के बावजूद वे मजबूत और अनुभवी कप्तान के नेतृत्व में बड़े मुकाबलों में चुनौती देने के लिए तैयार हैं।

भारत–पाकिस्तान मैच रद्द होने पर किस शर्त पर मिलते हैं पूरे 2 अंक

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक भारत–पाकिस्तान मैच को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। 15 फरवरी को प्रस्तावित इस बेहद रोमांचक मुकाबले पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हैं। यह मैच श्रीलंका के कोलंबो स्थित आर. प्रेमदासा स्टेडियम में होना है, लेकिन हाल ही में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ इस मुकाबले का बहिष्कार करने की घोषणा कर दी, जिससे क्रिकेट जगत में हलचल मच गई है। यदि पाकिस्तान अपने फैसले पर अड़ा रहता है, तो भारत–पाकिस्तान मुकाबला रद्द माना जाएगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारतीय टीम को श्रीलंका जाना चाहिए। इसका जवाब साफ है–हां। भारतीय टीम को इस मुकाबले से पूरे दो अंक हासिल करने के लिए कोलंबो जाना अनिवार्य होगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के नियमों के अनुसार, यदि पाकिस्तान की टीम मैच खेलने मैदान पर नहीं उतरती है, तो उसे पराजित घोषित कर दिया जाएगा। लेकिन भारत को विजेता तभी माना जाएगा, जब सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम निर्धारित समय पर मैदान में मौजूद रहे और सिक्का उछाल की प्रक्रिया के लिए उपलब्ध हो। नियमों के तहत भारतीय कप्तान को सिक्का उछाल के समय मैदान पर उपस्थित रहना अनिवार्य है। यदि पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा सिक्का उछाल के लिए नहीं आते हैं, तो मैच रेफरी भारतीय टीम को विजेता घोषित करेगा और भारत को पूरे दो अंक प्रदान किए जाएंगे। वहीं, यदि भारतीय टीम यह मानकर श्रीलंका की यात्रा नहीं करती कि मुकाबला नहीं होगा, तो स्थिति बदल सकती है। ऐसी दशा में मैच रेफरी भारत और पाकिस्तान दोनों को एक–एक अंक दे सकता है। यानी पूरे दो अंक प्राप्त करने के लिए भारतीय टीम का मैदान तक पहुंचना और सिक्का उछाल के समय उपलब्ध रहना बेहद जरूरी है। सूत्रों के अनुसार, इसी कारण भारतीय टीम कोलंबो जाएगी, हर मुकाबले की तरह अभ्यास करेगी और मैच से पहले मीडिया के सामने भी आएगी। उधर, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा है। हालांकि अभी तक किसी आधिकारिक दंड की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन संकेत दिए गए हैं कि पाकिस्तान को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

सलमान खान की को–स्टार का कमबैक, 27 साल बाद फिल्मी दुनिया में वापसी

‘रम्बा हो’ पर डांस, 27 साल बाद फिर छाई कल्पना अय्यर

यूनिक समय, नई दिल्ली। एक डांस वीडियो वायरल होने के बाद बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री और डांसर कल्पना अय्यर फिर से चर्चा में हैं। अपने दौर की मेहनती और समर्पित कलाकार के रूप में जानी जाने वाली कल्पना ने 70 साल की उम्र में 'रम्बा हो' गाने पर डांस करके सबको चौंका दिया। उनके इस डांस वीडियो ने दर्शकों में उनके करियर और सफर को जानने की रुचि बढ़ा दी है। हाल ही में आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने अपने शुरुआती दिनों और फिल्मी दुनिया में अनुभव किए गए संघर्षों के कई अनसुने किस्से साझा किए। कल्पना अय्यर ने अपने करियर की कुछ अंतिम फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सलमान खान की फिल्म 'हम साथ साथ हैं' में रीमा लागू की सहेली का किरदार निभाया था। उन्होंने बताया, "मैंने महज 17 साल की उम्र में डांस की दुनिया में कदम रखा। उस समय न तो आरामदायक ग्रीन रूम थे और न ही चोट से बचाने वाली सुविधाएं। कई बार हमें नंगे पांव, छिले और खून सने पैरों के साथ नाचना पड़ता था, लेकिन हमने कभी शिकायत नहीं की।" उन्होंने आगे कहा, "'रम्बा हो' जैसे सुपरहिट गाने की शूटिंग के दौरान भी मेरे पैरों में गंभीर चोट लगी थी, फिर भी मैंने शूटिंग जारी रखी। 'राजा हिंदुस्तानी' जैसी फिल्मों में भी चोट के बावजूद नंगे पांव डांस किया। मेरे लिए काम और उन अवसरों की कद्र करना सबसे महत्वपूर्ण था। उस समय शिकायत करने का कोई विकल्प नहीं था, सिर्फ मेहनत और आगे बढ़ते रहने का जज्बा था।" कल्पना ने डांस को केवल परफॉर्मेंस नहीं बल्कि साधना बताया। उनका कहना है, "जब आप किसी कला को दिल से अपनाते हैं, तो शरीर की तकलीफें छोटी लगने लगती हैं। डांस ने मुझे सिर्फ पहचान ही नहीं दी, बल्कि जीवन में संतोष और खुशी भी दी।" आज की पीढ़ी के कलाकारों पर बात करते हुए उन्होंने कहा, "किसी भी दौर की तुलना सही नहीं है। आज की अभिनेत्रियों और डांसरों को भी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। अब डांस में बारीकियों, तैयारी, कपड़े, लुक और प्रस्तुति पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। जितनी मेहनत कलाकार करता है, उतना ही उस पर निवेश भी किया जाता है।" अपने करियर को लेकर संतुष्टि जताते हुए कल्पना ने कहा कि वे अब जीवन की दूसरी पारी के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किरदार उनकी उम्र और सुविधा के अनुसार होगा, तो वे नानी या दादी जैसे रोल निभाने से पीछे नहीं हटेंगी। साथ ही उन्होंने 'रम्बा हो' गाने से जुड़ी पुरानी अफवाह भी खारिज की और बताया कि यह गाना गोवा में नहीं बल्कि मुंबई के नटराज स्टूडियो में शूट किया गया था। यह शूटिंग मशहूर निर्माता रामानंद सागर के ऑफिस के सामने एक डांस स्टूडियो में हुई थी।

क्रिकेट जगत में शोक: पूर्व क्रिकेटर का 67 साल की उम्र में निधन

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड से बड़ी खबर सामने आई है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी टोनी पिगॉट का 67 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके जाने से इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में शोक की लहर दौड़ गई है। पिगॉट ने 1978 में मात्र 20 वर्ष की आयु में ससेक्स के लिए पदार्पण किया और होव में सरे के खिलाफ अपने पहले प्रथम श्रेणी विकेट को हैट्रिक में बदलकर यादगार शुरुआत की। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर भले ही छोटा रहा, लेकिन खास रहा। उन्होंने 1983–84 में इंग्लैंड के लिए अपना एकमात्र टेस्ट मुकाबला खेला। इस मुकाबले के लिए उन्हें अपनी विवाह तक स्थगित करना पड़ा। सन् 1994 में ससेक्स छोड़कर सरे गए, लेकिन पीठ की गंभीर चोट के कारण 1996 में संन्यास लेना पड़ा। इसके बाद उन्होंने ससेक्स लौटकर दूसरी टीम के प्रशिक्षक और बाद में मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने। उनके नेतृत्व में ससेक्स ने स्थायी प्रकाश व्यवस्था लगाने वाला पहला काउंटी क्लब बनने का गौरव पाया और 2003 में अपनी पहली काउंटी चैम्पियनशिप जीतने में सफल रहे। क्रिस एडम्स ने कहा, "टोनी क्लब के इतिहास में सबसे बड़े परिवर्तन लाने वाले व्यक्ति थे। उनकी मार्गदर्शिता ने हमें सही दिशा दी।" 1999 में मुख्य पद छोड़ने के बाद उन्होंने पिच निरीक्षक और मैच निरीक्षक जैसी भूमिकाएँ निभाईं। नवंबर 2025 में उन्होंने अपनी आत्मकथा ‘लेस्टर और डेकचेयर क्रांति’ भी प्रकाशित की। टोनी का योगदान न केवल मैदान में, बल्कि प्रशासन और नेतृत्व में भी अविस्मरणीय रहेगा।

धुरंधर 2 का पोस्टर जारी, रणवीर सिंह के आक्रामक रूप ने मचाया तहलका

यूनिक समय, नई दिल्ली। आदित्य धर के निर्देशन में बन रही फिल्म ‘धुरंधर’ के दूसरे भाग का दर्शकों को लंबे समय से इंतज़ार था और अब यह इंतज़ार लगभग खत्म होने वाला है। फिल्म ‘धुरंधरः द रिवेंज’ का बहुप्रतीक्षित टीज़र 3 फरवरी 2026, मंगलवार को जारी किया जाएगा। टीज़र रिलीज से पहले निर्माताओं ने फिल्म का पहला लुक पोस्टर भी सामने लाकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। इस पोस्टर में अभिनेता रणवीर सिंह बेहद तीखे और आक्रामक अंदाज़ में नजर आ रहे हैं। रणवीर सिंह ने मंगलवार सुबह अपने सामाजिक माध्यम मंच पर फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए टीज़र रिलीज की जानकारी दी। जारी किए गए पोस्टर में रणवीर सिंह बारिश में भीगते हुए काले चमड़े की जैकेट पहने दिखाई दे रहे हैं। लाल रंग की पृष्ठभूमि से सजा यह पोस्टर न केवल प्रभावशाली है, बल्कि फिल्म की गंभीर और जोशीली थीम को भी दर्शाता है। अभिनेता का तीखा भाव और उग्र अंदाज यह संकेत देता है कि इस बार कहानी पहले से कहीं अधिक तीव्र और हिंसक होने वाली है। निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, "अब बिगाड़ने का वक्त आ गया है। धुरंधरः द रिवेंज का टीज़र आज दोपहर 12 बजकर 12 मिनट पर जारी किया जाएगा।" साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि फिल्म 19 मार्च 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। यह फिल्म हिंदी के साथ–साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज की जाएगी। ‘धुरंधर 2’ के पोस्टर में रणवीर सिंह के हिंसक और आक्रामक रूप ने उनके प्रशंसकों को खासा प्रभावित किया है। पोस्टर सामने आते ही सामाजिक माध्यमों पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई नामी कलाकारों ने भी इस पोस्टर पर अपनी प्रतिक्रिया दी। शालिनी पासी ने टिप्पणी करते हुए लिखा, "अब शांत नहीं बैठा जाता, ओह माय गॉड।" वहीं अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने आग के प्रतीक चिन्ह के जरिए रणवीर सिंह के लुक की तारीफ की। ‘द बैड्स ऑफ बॉलीवुड’ में नजर आ चुकीं अभिनेत्री आन्या सिंह ने भी पोस्टर पर आग के प्रतीक चिन्ह के साथ प्रतिक्रिया दी। इसके अलावा भूमि पेडनेकर समेत कई अन्य कलाकारों और प्रशंसकों ने रणवीर सिंह के नए अवतार की सराहना करते हुए टीज़र के लिए अपनी उत्सुकता जाहिर की। फिल्म ‘धुरंधर’ के पहले भाग की रिलीज के दौरान ही निर्माताओं ने इसके दूसरे भाग की घोषणा कर दी थी। अब पहले लुक पोस्टर के साथ एक बार फिर फिल्म की रिलीज तारीख की पुष्टि कर दी गई है। ‘धुरंधर 2’ 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म को कड़ी टक्क र मिलने वाली है, क्योंकि इसी दिन कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार यश की फिल्म ‘टॉक्सिक’ भी रिलीज हो रही है। ऐसे में दोनों फिल्मों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिल सकता है। अब दर्शकों की निगाहें ‘धुरंधरः द रिवेंज’ के टीज़र पर टिकी हैं, जो यह साफ कर देगा कि रणवीर सिंह इस बार किस हद तक दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।

लव मैरिज का खौफनाक अंत

महिला का शव फांसी के फंदे से लटका मिला, पति फरार

यूनिक समय, कानपुर। चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक लव मैरिज का खौफनाक अंत हुआ है। शादी के महज 90 दिन बाद पत्नी दीपिका सैनी का शव फांसी के फंदे से लटका हुआ पाया गया, जबकि उसका पति शोएब खान उर्फ सौरभ फरार है। घटना कानपुर के थाना पनकी क्षेत्र के शताब्दी नगर स्थित रामगंगा एनक्लेव की है।

शोएब ने खुद पुलिस को सूचना दी कि मामूली झगड़े के बाद पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली और उसके बाद वह फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर मुआयना किया। डीसीपी पश्चिम कासिम आब्दी ने बताया कि मृतक के गले पर निशान देखे गए हैं। पोस्टमार्टम के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह आत्महत्या है या हत्या। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि मृतका फंदे में लटकी हुई थी और पति ने उसे उतारकर दूसरे कमरे के बेड पर लिटाया था।

दीपिका और शोएब अक्टूबर 2025 में प्रेम विवाह के बंधन में बंधे थे। शोएब अहमदाबाद में ट्रक ड्राइवर है और दोनों की यह दूसरी शादी थी। मृतका की मां की तहरीर पर पुलिस ने पति के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस टीम पति की तलाश में लगी हुई है और जल्द ही उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी।

घटना के बाद इलाके में खौफ का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लव मैरिज के कुछ ही महीनों में किसी लड़की का आत्महत्या करना असामान्य है और इसकी गहन जांच होनी चाहिए। लोग इस मामले में सच्चाई सामने आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पुलिस की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि मौत आत्महत्या थी या हत्या। यह मामला लव मैरिज के दौरान पारिवारिक और सामाजिक दबावों की गंभीरता को उजागर करता है और कानपुर में सुरक्षा व जागरूकता की आवश्यकता को बढ़ाता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद बुलडोजर कार्रवाई पर हाई कोर्ट ने जताई नाराजगी

यूनिक समय, प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक्शन जारी रहने पर गंभीर नाराजगी जताई है। हाई कोर्ट ने हमीरपुर से जुड़े एक मामले में याचिकाकर्ताओं की संपत्तियों को तोड़फोड़ से बचाने के लिए दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद दंडात्मक तोड़फोड़ जारी है। हाई कोर्ट ने कहा कि अपराध के तुरंत बाद अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी कर संपत्तियों को गिराने का यह तरीका न्यायपालिका के आदेशों के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि सजा के तौर पर किसी की संपत्ति को तोड़ना न्यायपालिका की शक्तियों का उल्लंघन है। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस सिद्धार्थ नंदन की डबल बेंच ने फैमुद्दीन और दो अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए इस बात पर जोर दिया। याचिकाकर्ताओं ने बताया कि जनवरी में उनके रिश्तेदार पर रेप और पीओसीएसओ एक्ट के तहत आरोप लगे थे।

इसके तुरंत बाद पुलिस की मिलीभगत से भीड़ ने उनके घर, लॉज और आरा मिल पर हमला किया। याचिकाकर्ताओं ने हाई कोर्ट से न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की ताकि उनकी संपत्तियों को संभावित तोड़फोड़ से बचाया जा सके। वकील ने बताया कि भले ही याचिकाकर्ता एफआईआर में सह-आरोपी नहीं थे, फिर भी जिला अधिकारियों ने तुरंत नोटिस जारी कर दिया। हाई कोर्ट की यह टिप्पणी बुलडोजर कार्रवाई और सरकारी अधिकारियों के हस्तक्षेप को लेकर उत्तर प्रदेश में बढ़ती चिंता को दर्शाती है।

शिवरात्रि के बाद काशी में पीएम मोदी का संभावित दौरा

हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की देंगे सौगात

यूनिक समय, वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिवरात्रि के बाद अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर आ सकते हैं। इस संभावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। विभिन्न विभागों से उन विकास योजनाओं और परियोजनाओं की सूची मांगी गई है, जिनका शिलान्यास या लोकार्पण प्रधानमंत्री के हाथों कराया जा सकता है। अनुमान है कि इस दौरे में काशी को एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात मिलेगी।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, कमिश्नरी आवास परिसर में बनने वाले मंडलीय एकीकृत कार्यालय भवन का शिलान्यास पीएम मोदी कर सकते हैं। इसके साथ ही जल निगम की ओर से प्रस्तावित सोलर पार्क और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) परियोजनाओं को भी हरी झंडी मिलने की संभावना है। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था और कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए सिग्नेचर रेल रोड ब्रिज, नगर निगम का नया सदन भवन और काशी रोपवे परियोजना भी एजेंडे में शामिल हैं।

रामनगर में बन रहे वृद्धाश्रम और वर्किंग वुमेन हॉस्टल का शिलान्यास भी संभावित है। ऊर्जा क्षेत्र में एक नई पहल के तहत सर्किट हाउस परिसर में प्रदेश का पहला साइलेंट सब स्टेशन स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग की सड़कें, एनएचएआई के हाईवे प्रोजेक्ट, जिला अस्पतालों में डे केयर सेंटर और बनारस रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित तीसरी रेल लाइन से जुड़ी परियोजनाएं भी प्रस्तावित सूची में शामिल हैं।

आगरा में दहशत का माहौल, 40 परिवारों ने लगाए मकान बिकाऊ के पोस्टर

यूनिक समय, आगरा। पॉश इलाके कमलानगर में एक युवक की कथित हरकतों से लोगों में दहशत का माहौल बन गया है। बल्केश्वर और भगवान नगर क्षेत्र में रहने वाले वैश्य समाज के करीब 40 परिवारों ने अपने घरों पर 'मकान बिकाऊ' के पोस्टर लगा दिए हैं। पीड़ितों का कहना है कि युवक के लगातार उत्पीड़न और आतंक से उनका सामान्य जीवन प्रभावित हो रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक आए दिन गाली-गलौज और हंगामा करता है। सोमवार को उसने एक शादी वाले घर में घुसकर उत्पात मचाया। आरोप है कि उसने महिलाओं से मारपीट की, अभद्रता की और चेन खींचने का प्रयास भी किया। इस घटना के बाद इलाके में डर और गुस्सा दोनों बढ़ गए हैं। पीड़ित परिवारों का कहना है कि उन्होंने कई बार थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

पुलिस की निष्क्रियता से नाराज लोगों ने विरोध का अनोखा तरीका अपनाते हुए अपने मकानों पर बिकाऊ के पोस्टर लगा दिए हैं। उनका कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे मजबूरी में अपने घर बेचकर इलाका छोड़ देंगे। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से सुरक्षा सुनिश्चित करने और आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है, ताकि इलाके में फिर से शांति और विश्वास बहाल हो सके।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सेंट्रल मार्केट में हड़कंप

व्यापारियों ने खुद हटाया अवैध निर्माण

यूनिक समय, मेरठ । सेंट्रल मार्केट में सुप्रीम कोर्ट के अवैध निर्माण हटाने संबंधी आदेश के अपलोड होते ही व्यापारियों में हड़कंप मच गया। आदेश सामने आते ही कई दुकानदारों ने प्रशासनिक कार्रवाई से पहले ही अपनी दुकानों के बाहर लगे टिन शेड, लोहे के स्ट्रक्चर और अन्य अतिक्रमण स्वयं हटाने शुरू कर दिए। सोमवार को साप्ताहिक बंदी के बावजूद शाम और रात में यह कार्रवाई देखने को मिली।

व्यापारी नेता जितेंद्र अग्रवाल अद्दू ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अध्ययन किया जा रहा है और आगे की रणनीति पर विचार होगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर अपनी बात रखने की तैयारी कर रहे हैं। आदेश के बाद सड़क की ओर किए गए अवैध निर्माण हटाने का सिलसिला तेज हो गया है। मामले की सुनवाई पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट की न्याय पीठ में हुई थी, जहां अदालत ने आदेश में किसी भी तरह के बदलाव से साफ इनकार कर दिया। आरटीआई कार्यकर्ता लोकेश खुराना के अनुसार, अदालत ने राज्य सरकार को सख्त टिप्पणी करते हुए छह सप्ताह के भीतर सभी अवैध निर्माण ध्वस्त करने और उसकी कंप्लायंस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इधर, सेंट्रल मार्केट को 'बाजार स्ट्रीट' के रूप में विकसित करने की योजना पर आवास आयुक्त ने आम जनता से 15 दिन के भीतर आपत्ति और सुझाव मांगे हैं। इससे बाजार के भविष्य को लेकर व्यापारियों और नागरिकों की नजरें टिकी हुई हैं।

फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 निवेश, नवाचार और जीरो टॉलरेंस का संदेश

11 कंपनियों से एमओयू, 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

यूनिक समय, लखनऊ । मंगलवार को उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 का भव्य आयोजन हुआ। होटल ताज में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में देश-विदेश से आए निवेशकों और उद्यमियों ने हिस्सा लिया। कॉन्क्लेव का उद्देश्य राज्य में फार्मा और मेडिकल डिवाइस सेक्टर में निवेश, शोध और नवाचार को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर राज्य सरकार के साथ 11 कंपनियों ने एमओयू किए, जिनके तहत मेडिकल डिवाइस और नई दवाओं पर संयुक्त शोध किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार ने जीरो टॉलरेंस

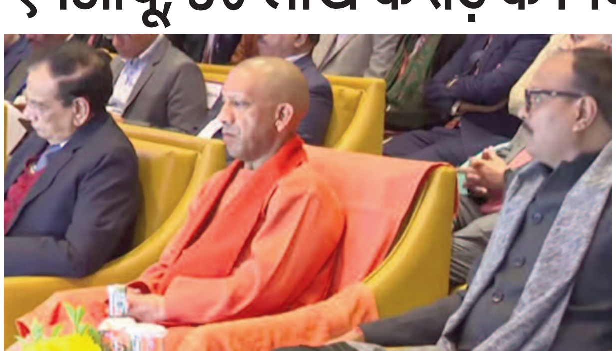

की नीति तय की है और अब अपराधियों में कोई अपना-पराया नहीं होगा। उन्होंने बताया कि 2017 से पहले सुरक्षा के अभाव में उद्योगों का पलायन हो रहा था, लेकिन सख्त कानून-व्यवस्था के चलते आज निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में इन्सेफेलाइटिस जैसी गंभीर बीमारी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार की बड़ी उपलब्धि है। सीएम योगी ने बताया कि उत्तर प्रदेश को अब तक 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं और राज्य की बेरोजगारी दर देश में न्यूनतम स्तर पर है। उन्होंने लैंड बैंक की उपलब्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि ललितपुर में प्रदेश का पहला फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है। साथ ही, राज्य में सेंटर लेवल की आधुनिक लैबोरेट्री पहले से मौजूद है, जो शोध और गुणवत्ता परीक्षण में सहायक होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार और उद्योग जगत के साझा प्रयासों से उत्तर प्रदेश फार्मा हब के रूप में नई पहचान बनाएगा।

कर्ज वसूली के दौरान अधेड़ की मौत तहसील टीम पर उत्पीड़न के आरोप

यूनिक समय, अलीगढ़। थाना क्वार्सी क्षेत्र स्थित जीवनगढ़ में मंगलवार सुबह कर्ज वसूली के दौरान 55 वर्षीय इस्माइल की मौत से हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों ने तहसील की रिकवरी टीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि प्रशासन ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

परिजनों के अनुसार, इस्माइल ने एक प्लॉट के लिए करीब 1.47 लाख रुपये का कर्ज लिया था, जिसकी किस्तें आर्थिक तंगी के चलते जमा नहीं हो सकीं। मामला अदालत में पहुंचा और नीलामी की प्रक्रिया भी विफल रही। आरोप है कि मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे तहसील की टीम घर में घुसी, गाली-गलौज की और इस्माइल को जबरन घसीटते हुए बोलेरो गाड़ी में बैठा लिया। परिजनों का कहना है कि गाड़ी के भीतर अपमान और सदमे से इस्माइल की तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। वहीं, एडीएम प्रशासन पंकज कुमार ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इस्माइल स्वयं तहसील आए थे, जहां अचानक उनकी हालत खराब हुई। प्रशासन के अनुसार, उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सार संक्षेप

दिल्ली-एनसीआर और 9 राज्यों में बारिश का अलर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मौसम फिर बिगड़ने वाला है। मौसम विभाग ने बारिश का अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश और तेज हवाओं की संभावना है। कुल 9 राज्यों में मौसम खराब रहेगा, जिनमें उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान और महाराष्ट्र शामिल हैं।

उत्तराखंड में दर्दनाक सड़क हादसा बस खाई में गिरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देहरादून जिले में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में दो महिलाओं और एक पुरुष समेत तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना पर शोक व्यक्त किया।

वाट्सएप प्राइवेसी पॉलिसी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, मेटा को फटकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। वाट्सएप की प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मेटा प्लेटफॉर्म्स को कड़ी चेतावनी दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने साफ कहा कि भारत में काम करने वाली कंपनियों को संविधान और नागरिकों के निजता अधिकारों का पालन करना होगा। अदालत ने दो टूक कहा कि डेटा शेयरिंग के नाम पर प्राइवेसी से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यदि कंपनियां संविधान नहीं मान सकतीं तो उन्हें भारत छोड़ देना चाहिए।

सुनेत्रा पवार संभालेंगी डिप्टी सीएम का कार्यभार, मिला अजित पवार का केबिन

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र में डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार इस सप्ताह के अंत तक औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाल लेंगी। मंत्रालय में उन्हें वही केबिन आवंटित किया गया है, जिसका उपयोग पहले अजित पवार करते थे। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। अजित पवार के उपयोग में रहे मंत्रालय के 5वीं, 6वीं और 7वीं मंजिल के कक्ष अब सुनेत्रा पवार के लिए स्थायी रूप से तय किए गए हैं।

केरल विधानसभा में सबरीमाला सोना चोरी मामले पर हंगामा

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल विधानसभा में सबरीमाला मंदिर से सोना चोरी मामले को लेकर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। यूडीएफ ने मुख्यमंत्री कार्यालय पर जांच में दखल देने और आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया। विपक्ष ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर पीएम मोदी का बड़ा बयान

दुनिया के सेंटर स्टेज में भारत इस सदी की सबसे बड़ी घटना

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के साथ हुए महत्वपूर्ण व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में बड़ा बयान दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत का दुनिया के सेंटर स्टेज पर आना इस सदी की सबसे बड़ी घटना है। उन्होंने यह भी बताया कि दुनिया के संतुलन में भारत की भूमिका बेहद अहम है और भारत की वैश्विक महत्वता लगातार बढ़ रही है। संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ लोग टैरिफ के फैसले से परेशान थे और विपक्ष अलग-अलग सवाल उठा रहा था। उन्होंने सांसदों से आग्रह किया कि वे अपने क्षेत्रों में एक्सपोर्ट की संभावनाओं का पता लगाएं, मैन्युफैक्चर के साथ सम्मेलन करें और गुणवत्ता पर ध्यान दें। पीएम मोदी ने कहा कि हमें पत्थर पर लकीर खींचने की आदत नहीं छोड़नी चाहिए और हर क्षेत्र में निरंतर प्रयास करना चाहिए। पीएम मोदी ने बैठक में विशेष रूप से लोकतंत्र और कार्यकर्ताओं के योगदान का जिक्र करते हुए बताया कि केरल में बीजेपी के स्थानीय चुनाव में हमारी जीत कार्यकर्ताओं की तपस्या का फल है। उन्होंने राज्यसभा सांसद सी. सदानंदन मास्टर का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके पांव काट दिए गए थे, फिर भी उन्होंने कृत्रिम पैर के साथ भाषण देकर लोकतंत्र की मिसाल कायम की। पीएम मोदी ने इस घटना को लोकतंत्र में पाप बताया और कार्यकर्ताओं के संघर्ष और समर्पण की सराहना की। इस बैठक में पीएम मोदी ने सांसदों को निर्देश दिया कि वे अपने क्षेत्र में निर्यात और उत्पादन बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठाएं और देश को वैश्विक स्तर पर और मजबूत बनाने में योगदान दें।

नासा को मंगल ग्रह पर मिला जीवन का सुराग, समुद्र तट के मिले सबूत

यूनिक समय, नई दिल्ली। नासा के पर्सेवरेंस रोवर ने मंगल ग्रह पर एक अहम खोज की है। रोवर ने लाल ग्रह पर प्राचीन समुद्र तट के सबूत पाए हैं, जो संकेत देते हैं कि मंगल पर कभी जीवन और पानी मौजूद था। यह खोज जेजेरो क्रेटर में लगभग 3.5 अरब साल पहले मौजूद विशाल झील की संभावना को मजबूत करती है। इससे मंगल के अतीत में लंबे समय तक रहने योग्य वातावरण होने की संभावना बढ़ जाती है। शोधकर्ताओं ने पर्सेवरेंस रोवर द्वारा कैद की गई हाई-रेजोल्यूशन तस्वीरों का विश्लेषण किया। मार्जिन यूनिट क्षेत्र में लहरों से बने समुद्र तट के संकेत और भूमिगत पानी से बदली हुई चट्टानों का पता चला। यहां ओलिविन और कार्बोनेट युक्त गोलाकार रेत के दाने मिले, जो लहरों की क्रिया से घिसे हुए प्रतीत होते हैं। स्थानीय चट्टानों में कटाव ने प्राचीन तट रेखा की पुष्टि की। इंपीरियल कॉलेज के पीएचडी शोधकर्ता एलेक्स जोन्स ने कहा, समुद्र तट पृथ्वी पर रहने योग्य पर्यावरण होते हैं, और यहां बनने वाले कार्बोनेट खनिज प्राचीन माहौल की जानकारी संरक्षित करते हैं। हमारे निष्कर्ष मंगल के पिछले जलवायु और रहने की क्षमता के लिए बेहद रोमांचक हैं।

पालघर में खोदी जाएगी दूसरी सुरंग बुलेट ट्रेन परियोजना में तेजी

तेज परिवहन प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पालघर जिले में बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत दूसरी पर्वतीय सुरंग का निर्माण जल्द ही शुरू होगा। यह सुरंग 454 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी होगी, जिसमें मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल के लिए अप और डाउन दोनों ट्रैक बिछाए जाएंगे। इससे पहले 2 जनवरी 2026 को सफाले के पास पहली सुरंग (एमटी-5) की खुदाई पूरी हो चुकी है। इस परियोजना में एनएटीएम (न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड) का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो जटिल भू-स्थिति और असमान सुरंग आकृतियों के लिए उपयुक्त है। एनएटीएम विधि में शॉटक्रीटिंग, रॉक बोल्ट और लैटिस गर्डर का उपयोग करके वास्तविक समय में संरचनात्मक सुधार किए जाते हैं। सुरंग निर्माण में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए वेंटिलेशन, अग्नि सुरक्षा और नियंत्रित प्रवेश प्रणाली का पालन किया जा रहा है। महाराष्ट्र में अन्य निर्माण कार्य भी तेजी से जारी हैं। परियोजना का सबसे लंबा नदी पुल, जो वैतरणा नदी पर स्थित है, पिलर स्तर तक पहुंच चुका है। उल्हास और जगनीसख्या जैसी नदियों पर भी नींव का काम चल रहा है। पालघर जिले में कुल 7 पर्वतीय सुरंगों का निर्माण कार्य चल रहा है। प्रगति इस प्रकार है: एमटी-1: 0.820 किमी, 16% पूर्ण, एमटी-2: 0.228 किमी, प्रारंभिक कार्य जारी, एमटी-3: 1.403 किमी, 41% पूर्ण, एमटी-4: 1.260 किमी, 32% पूर्ण, एमटी-5: 1.480 किमी, 57% पूर्ण, 2 जनवरी 2026 को पूरी हुई, एमटी-6: 0.454 किमी, 47% पूर्ण, आज पूरा होगा, एमटी-7: 0.417 किमी, 29% पूर्ण, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना की कुल लंबाई लगभग 508 किलोमीटर है, जिसमें गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली में 352 किलोमीटर और महाराष्ट्र में 156 किलोमीटर शामिल है। 27 जनवरी 2026 तक लगभग 334 किलोमीटर वायडक्ट, 17 नदी पुल और 12 प्रमुख क्रॉसिंग का निर्माण पूरा हो चुका है। गुजरात खंड में ट्रैक बिछाने और विद्युतीकरण का कार्य भी तेजी से जारी है। यह परियोजना भारत की सबसे बड़ी हाई-स्पीड रेल परियोजनाओं में से एक है और देश को आधुनिक और तेज परिवहन प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम प्रदान करेगी।

बंगाल और दिल्ली में ईडी की बड़ी कार्रवाई

रेत और कोयला तस्करी मामले में छापेमारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल और दिल्ली में मंगलवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई अवैध रेत और कोयला तस्करी के मामलों की जांच के तहत की गई। सुबह करीब 6:30 बजे से दिल्ली, कोलकाता, आसनसोल, दुर्गापुर और पश्चिम बर्धमान जिले के कई इलाकों में तलाशी अभियान शुरू हुआ। इस दौरान केंद्रीय सशस्त्र बलों के जवान भी मौजूद थे।
ईडी ने जिन जगहों पर छापेमारी की, उनमें बुदबुद थाना के नए प्रभारी मनोरंजन मंडल का घर भी शामिल था। वह अभी औपचारिक रूप से पदभार नहीं संभाल पाए थे और इससे पहले भ्रष्टाचार के आरोपों में निलंबित रह चुके थे। इसके अलावा, दुर्गापुर के सेपको इलाके में रेत कारोबारी प्रबीर दत्ता और उनके भाई अमित दत्ता के घर और दफ्तरों पर भी तलाशी ली गई। उनकी कंपनी के बांकुड़ा, पश्चिम और पूर्व बर्धमान जिलों में रेत खदानें संचालित होती हैं। ईडी ने पानागढ़ में रेत कारोबारी शेख हाशिम मिर्जा बेग, अंडुल के भक्तारनगर में शेख किरण मंडल और पांडाबेश्वर में कोयला कारोबारी शेख मइजुल के ठिकानों पर भी छापे मारे। कोलकाता और दिल्ली में भी कई स्थानों पर तलाशी अभियान जारी रहा। अधिकारियों के अनुसार यह जांच पिछले महीने कोलकाता में हुई आई-पैक पर छापेमारी वाले कोयला घोटाले से अलग मामला है।
इस कार्रवाई का उद्देश्य रेत और कोयला तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा करना और अवैध कारोबार में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना है। इससे संबंधित कारोबारियों और अधिकारियों की नियुक्तियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। यह अभियान ईडी द्वारा वित्तीय और व्यावसायिक अपराधों की जांच में एक अहम कदम माना जा रहा है।

रॉटवीलर कुत्ते ने महिला पर किया जानलेवा हमला, हालत नाजुक

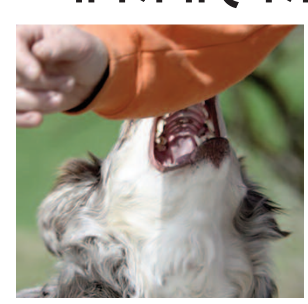

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट में मंगलवार सुबह एक पालतू रॉटवीलर कुत्ते ने महिला पर अचानक हमला कर दिया। इस हमले में 31 साल की शालिनी दुबे गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके चेहरे, गले और सिर पर 80 टांके लगाने पड़े और आठ घंटे लंबी सर्जरी हुई। एक घाव लगभग सात सेंटीमीटर गहरा था, जो सांस की नली के बिल्कुल करीब था। फिलहाल शालिनी अस्पताल में भर्ती हैं और उनका इलाज जारी है।
घटना 26 जनवरी की सुबह करीब सात बजे हुई, जब शालिनी अपने घर के पास टहल रही थीं। पड़ोसी का रॉटवीलर कुत्ता अचानक उनकी ओर दौड़ा और उन्हें सड़क पर गिरा दिया। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि कुत्ते ने बार-बार काटा। पीड़ित परिवार का आरोप है कि कुत्ते के मालिक अमरेश रेड्डी ने उसे बिना पट्टे और बिना जाली (मजल) के सड़क पर खुला छोड़ दिया। शालिनी के पति सत्य प्रकाश दुबे ने कहा कि उनकी पत्नी गहरे सदमे में हैं और हमला उनके शरीर पर हमेशा निशान छोड़ देगा। उनका छोटा बच्चा भी इस घटना से डरा हुआ है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अमरेश रेड्डी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 117 (तीन), 125 और 291 के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। स्थानीय लोग भी खतरनाक नस्ल के कुत्तों के लिए नियमों का कड़ाई से पालन करने की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। यह घटना पालतू जानवरों की सुरक्षा और सार्वजनिक स्थानों पर नियमों के पालन की आवश्यकता पर एक गंभीर चेतावनी के रूप में देखी जा रही है।

जौनपुर में अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम कटवाने का बीएलओ ने किया खुलासा

यूनिक समय, नई दिल्ली। जौनपुर में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि बीजेपी कार्यकर्ता अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटवाने की कोशिश कर रहे हैं। शाहगंज विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 332 में 17 मुस्लिम मतदाताओं के नाम हटाने के लिए फॉर्म 7 लिफाफे में दिए गए थे। हालांकि, बीएलओ शशिबाला उपाध्याय ने इस कार्रवाई से साफ इंकार किया। उन्होंने बताया कि फॉर्म उन्हें बीजेपी के बूथ अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता द्वारा पार्टी की ओर से दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसे भरकर जमा नहीं किया और किसी का नाम डिलीट नहीं होने दिया। बीएलओ ने सभी मतदाताओं को इसकी जानकारी दी और आश्वस्त किया कि कोई अन्याय नहीं होगा। शाहगंज के उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुणाल गौरव ने कहा कि सभी कर्मचारियों को सही तरीके से प्रशिक्षण दिया गया है और किसी भी गड़बड़ी की संभावना नहीं है। फॉर्म 7 भरने की प्रक्रिया में सत्यापन और सुपरवाइजर की निगरानी अनिवार्य है, इसलिए कोई भी नाम बिना जांच के डिलीट नहीं किया जाएगा। इस खुलासे से साफ हुआ कि बीएलओ ने सही कार्रवाई करते हुए लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की है।

महाशिवरात्रि और होली को लेकर तैयारियां शुरू

जिलाधिकारी और एसएसपी ने अधिकारियों के साथ किया मंथन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। विश्व प्रसिद्ध होली पर्व और महाशिवरात्रि के मद्देनजर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि ब्रज क्षेत्र में बरसाना की लट्ठमार होली, नंदगांव की होली, बलदेव की हुरंगा होली, गोकुल की होली, मथुरा श्रीकृष्ण जन्मस्थान की होली और बांके बिहारी मंदिर में रंगभरनी एकादशी पर होने वाले आयोजनों के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों से व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए सुझाव मांगे और सभी विभागों को समय पर तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जोर दिया कि ब्रज की होली विश्व प्रसिद्ध है। इसे देखने और ठाकुर जी के साथ होली खेलने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक यहां आते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं भीड़ नियंत्रण जैसी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

महाशिवरात्रि और होली की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार अधिकारियों के साथ।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा तथा सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों के माध्यम से कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

बाबा अवध दास महाराज का 89वां निकुंज लीला महोत्सव पांच को

कार्यक्रम की जानकारी देते पंडित बिहारी लाल वशिष्ठ आदि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीमद् भागवत के प्रखर विद्वान बाबा अवध दास महाराज का 89वां निकुंज लीला प्रवेश महोत्सव पांच फरवरी को मनाया जाएगा। ब्रज भूमि कल्याण परिषद के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की रूपरेखा तय कर ली गई है। महाराज श्री के अनन्य शिष्य पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ ने बताया कि बाबा महाराज का जीवन ब्रज संस्कृति और भागवत सेवा के लिए समर्पित रहा। उनके सिद्धांतों और स्मृतियों को जीवंत रखने के लिए प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष भी यह महोत्सव लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन में संत, महंत, भागवताचार्य, विद्वानों एवं नगर के प्रमुख नागरिकों की उपस्थिति में मनाया जाएगा। महोत्सव की अध्यक्षता महामंडलेश्वर राजेश्वर दास महाराज, पीठाधीश्वर श्री सनातन धर्म मंदिर दिल्ली, भक्ति वेदांत मधुसूदन महाराज के अलावा केबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा, आगरा जोन की एडीजे अनुपमा कुलश्रेष्ठ आगरा के अलावा राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र, राजस्थान पुष्टि मार्गीय दीपक बल्लभ गोस्वामी, विधायक श्रीकांत शर्मा, नगर निगम के मेयर विनोद अग्रवाल आदि अनेक लोग उक्त तिरोभाव महोत्सव में भाग लेंगे। प्रेस वार्ता में महंत रामदास, महाराज प्रो. राम शर्मा, बालो पंडित, दीपक राघव, अंकित कृष्ण महाराज, बाल कृष्ण व्यास दीपक कृष्ण शास्त्री आदि अनेक उपस्थित थे।

निलंबित शिक्षक के समर्थन में ग्रामीणों का डीएम को ज्ञापन

निलंबित शिक्षक के समर्थन में डीएम को ज्ञापन देने आए नौहझील के लोग।

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील स्थित प्राथमिक विद्यालय से निलंबित हुए शिक्षक जान मोहम्मद का मामला अब गर्माता जा रहा है। निलंबित शिक्षक के समर्थन में कस्बे के ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि शिक्षक पर बेबुनियाद आरोप लगाए गए हैं। उन्हें बहाल किया जाए। प्रदर्शनकारियों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा है। आरोप लगाया है कि शिक्षक जान मोहम्मद को राजनीतिक षडयंत्र के तहत गलत आरोपों में फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षक शैक्षिक कार्य के अलावा किसी भी गतिविधियों में शामिल नहीं हैं। राजनीतिक प्रतिद्वंदता के चलते उन पर झूठे आरोप लगाए हैं। प्रदर्शनकारी बीएसए कार्यालय भी पहुंच गए। उन्होंने चेतावनी देते हुए ऐलान किया है कि 24 घंटे में बहाली पर निर्णय लिया जाए, नहीं तो नौहझील ग्राम पंचायत पर धरना दिया जाएगा। प्रदर्शनकारियों में संजय पाठक, दयाराम पाठक, विजय कुमार, संतोष भारद्वाज, पूरन पाठक, इमरान शमसाद, नरेंद्र सिंह के साथ अन्य लोग शामिल थे। गौरतलब है कि शिक्षक जान मोहम्मद के खिलाफ दुर्गेश प्रधान ने 30 जनवरी को

बिना बायोमीट्रिक नहीं होगी खरीद-फरोख्त

यूनिक समय, हाथरस। जिले में जमीन की खरीद-फरोख्त के दौरान होने वाले फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाया गया है। शासन के निर्देश पर जिले के सभी चार रजिस्ट्री कार्यालयों-सदर, सादाबाद, सासनी और सिकंदराराऊ में आधार आधारित बायोमीट्रिक सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। अब बिना आधार सत्यापन के रजिस्ट्री की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई जाएगी।

नई व्यवस्था के तहत रजिस्ट्री कराने वाले क्रेता, विक्रेता और गवाहों को अनिवार्य रूप से बायोमीट्रिक मशीन पर अंगूठा लगाना होगा। अंगूठा लगते ही आधार मानकों के माध्यम से व्यक्ति की वास्तविक पहचान का तत्काल सत्यापन हो जाएगा। इससे फर्जी गवाहों, बोगस दस्तावेजों और धोखाधड़ी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लग सकेगी।

आम लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को मशीन संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया है। एआईजी स्टांप कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य रजिस्ट्री प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

एसएसपी से 29 सदस्यों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की माँग

एसएसपी कार्यालय को ज्ञापन देने आए श्री चित्रगुप्त पीठ, वृंदावन के पीठाधीश्वर श्री चित्रगुप्ताचार्य डॉ. स्वामी सच्चिदानंद।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। देश की शिक्षा व्यवस्था, छात्र हितों एवं राष्ट्रीय एकता से जुड़े एक अत्यंत गंभीर प्रकरण में श्री चित्रगुप्त पीठ, वृंदावन के पीठाधीश्वर श्री चित्रगुप्ताचार्य डॉ. स्वामी सच्चिदानंद ने एसएसपी प्रार्थना-पत्र सौंपते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की एक समिति के अध्यक्ष सहित 29 सदस्यों एवं ड्राफ्टिंग कमेटी के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज किए जाने की औपचारिक माँग की गई है। प्रार्थना-पत्र में आरोप लगाया गया है कि यूजीसी की उक्त समिति द्वारा बनाए गए एवं लागू किए गए नियम दिशा-निर्देश केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि पूर्वनियोजित, दुर्भावनापूर्ण एवं आपराधिक षड्यंत्र के अंतर्गत तैयार किए गए हैं। डॉ. स्वामी सच्चिदानंद ने कहा कि यह मामला केवल शिक्षा नीति या प्रशासनिक निर्णय का नहीं, बल्कि लोक सेवकों द्वारा पद का दुरुपयोग कर रचे गए आपसी षड्यंत्र का है, जिसके दूरगामी परिणाम देश को अराजकता एवं सामाजिक टकराव की ओर ले जा सकते हैं। उन्होंने मांग की है कि प्रथम दृष्टया उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यूजीसी समिति के अध्यक्ष सहित सभी 29 सदस्यों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर स्वतंत्र व निष्पक्ष जाँच कराई जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह प्रकरण केवल छात्रों का नहीं, बल्कि राष्ट्र की युवा पीढ़ी, संविधान और लोकतांत्रिक ढाँचे पर सीधा हमला है। यदि समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो इसके परिणाम देश के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो सकते हैं।

डीएवी इंटर कॉलेज में हिंदू सम्मेलन

जाति-भेद मिटाने और सामाजिक समरसता का लिया संकल्प

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। द्वारिकेश नगर स्थित डीएवी इंटर कॉलेज परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मार्गदर्शन में दयानंद हिंदू सम्मेलन समिति के बैनर तले हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में हिंदू मातृशक्ति, नवयुवक एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिकों ने सहभागिता कर सामाजिक एकता और समरसता का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि जातिगत भेदभाव हिंदू समाज को कमजोर करने वाला सबसे बड़ा कारण है। जब तक समाज संगठित, समरस और भेदभाव-मुक्त नहीं होगा, तब तक राष्ट्र निर्माण का लक्ष्य पूर्ण नहीं हो सकता। वक्ताओं ने सभी वर्गों से आपसी भेदभाव त्यागकर एकजुट होने और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने का आह्वान किया। सम्मेलन में उपस्थित हिंदू मातृशक्ति एवं नवयुवकों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे समाज में समानता, भाईचारे और एकता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान एक रहोगे, नेक रहोगे के उद्घोष से पूरा परिसर गूंज उठा और वातावरण हिंदू एकता के नारों से ओत-प्रोत हो गया। सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े वक्ताओं सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए हिंदू समाज को एक सूत्र में बांधने पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन हिंदू एकता जिंदाबाद और सनातन संस्कृति अमर रहे" जैसे गगनभेदी नारों के साथ हुआ। संचालन योगेश आवा ने किया। इस मौके पर क्षमानंद महाराज, रमेश चंद्र आर्य, छैला बिहारी (विभाग कार्यवाह), श्रीमती कलम लता आर्य, राकेश अग्रवाल, रामकुमार, पवन, मुरारी लाल, अवधेश (पोशाक वाले), राजकुमार अग्रवाल, ललित अग्रवाल, श्याम शर्मा, राजीव अग्रवाल, बनवारी लाल अग्रवाल, नरेंद्र गोला, रूप किशोर, मोहन शाह, पुष्पेंद्र अमित अग्रवाल (कागजी) आदि उपस्थित थे।

हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते वक्ता।

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053